जनता के गोठ

Website- https://www.jantakegoth.com

● वर्ष -01 ● अंक- 328 ● रायपुर, मंगलवार 24 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787

पहला कॉलम

देशभर में बदला मौसम का मिजाज, पहाड़ों पर बर्फबारी तो 12 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में मौसम ने तेजी से करवट ले ली है, जिससे उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में ठंड ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और बिहार में सुबह और शाम के समय सर्द हवाओं के साथ कोहरे की चादर छाई हुई है। इसी बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभागने रविवार 22 नवंबर को देश के 12 राज्यों में बारिश और तेज हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई गई है, जिसका सीधा असर मैदानी राज्यों के तापमान पर पड़ेगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार की सुबह घने कोहरे और सर्द हवाओं के साथ हुई, जिससे लोगों को ठिठुरन का अहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, दिल्ली में अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, जबकि सुबह और रात के वक्त ठंड का असर ज्यादा महसूस होगा।

रेलवे का बड़ा बुलडोजर एक्शन, जमींदोज की गईं आधा दर्जन मजारें और गुमटियां

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन में आगामी महापर्व सिंहस्थ को लेकर बुनियादी ढांचे को संवारने की कवायद अब जमीन पर पूरी रफ्तार से दिखने लगी है। इसी कड़ी में रेलवे प्रशासन ने अपनी बेशकीमती जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए एक बड़ा बुलडोजर अभियान चलाया। इस सख्त कार्रवाई के दौरान रेलवे की भूमि पर अवैध रूप से बनी करीब आधा दर्जन मजारों, गुमटियों और अन्य निर्माणों को पूरी तरह जमींदोज कर दिया गया। भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अमले की मौजूदगी में हुई इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया, हालांकि प्रशासन की मुस्तैदी के चलते पूरा अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, रेलवे प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई उज्जैन शहर के दो अलग-अलग स्थानों पर अंजाम दी गई।

पिता के अपमान का खौफनाक बदला, पहले शराब पिलाकर किया बेसुध

अजमेर। राजस्थान के अजमेर जिले से रिश्तों और रंजिश की एक ऐसी खौफनाक वारदात सामने आई है, जिसने हर किसी को दहला दिया है। यहां पिता के कथित अपमान का बदला लेने के लिए एक 20 वर्षीय युवक ने अपने नाबालिग साथी के साथ मिलकर 35 वर्षीय शख्स की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के लिए बेहद शातिराना प्लान बनाया और हत्या के बाद इसे सड़क दुर्घटना का रूप देने की भी पूरी कोशिश की, लेकिन पुलिस की सूझबूझ और फोरेंसिक जांच ने उनकी साजिश को बेनकाब कर दिया। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी अजय कुमार रेगर को गिरफ्तार कर लिया है।

पीएम मोदी-बालेन शाह की मुलाकात में हुए बड़े फैसले

आठ समझौते और 15,000 करोड़ रुपये का पैकेज की घोषणा की...

नई दिल्ली/ एजेंसी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। पीएम पद संभालने के बाद बालेन शाह का यह पहला विदेश दौरा था। बैठक के दौरान भारत ने नेपाल में बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और विकास के लिए 24,000 करोड़ नेपाली रुपये (करीब 15,000 करोड़ भारतीय रुपये) के सहायता पैकेज की घोषणा की। पीएम मोदी ने नेपाल के 35 वर्षीय प्रधानमंत्री बालेन शाह की विकास संबंधी सोच और दूरदृष्टि की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस साल नेपाली जनता ने बालेन शाह को जो ऐतिहासिक जनादेश दिया है, वह देश की युवा पीढ़ी की उम्मीदों, आकांक्षाओं और बदलाव की इच्छा को दर्शाता है। नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर संवेदना व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24,000 करोड़ नेपाली रुपये के विकास सहयोग की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राशि बुनियादी सुविधाओं को बहाल करने, प्रभावित समुदायों को फिर से बसाने और उन लोगों की मदद करने में उपयोगी होगी, जिन्होंने आपदा में अपने घर और रोजगार के साधन गंवा दिए हैं। 26 अगस्त को अचानक आई बाढ़ में 1,500 लोगों की जान चली गई थी, जबकि 5,200 से अधिक लोग लापता हो गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लंबे समय से नेपाल को पेट्रोलियम उत्पादों और जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति करता रहा है। 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति के तहत तेल आपूर्ति की चुनौतियों के बावजूद भारत ने नेपाल को ईंधन, उर्वरक और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराना जारी रखा। द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने बालेन शाह का स्वागत करते हुए कहा कि भारत दौरे पर आए नेपाल के प्रधानमंत्री की सोच और विजन की झलक कुछ महीने पहले संयुक्त राष्ट्र में उनके संबोधन के दौरान देखने को मिली थी। उस समय उन्होंने दुनिया के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में संयुक्त राष्ट्र को संबोधित किया था। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत में नेपाल के भविष्य और भारत-नेपाल संबंधों को लेकर बालेन शाह की स्पष्ट सोच और प्रतिबद्धता सामने आई। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल केवल पड़ोसी देश नहीं हैं, बल्कि दोनों के बीच विश्वास, मित्रता और मजबूत पारंपरिक रिश्ते हैं। दोनों देशों की चुनौतियां और आकांक्षाएं भी काफी हद तक समान हैं

कांडला और पारादीप पोर्ट तक मिलेगी पहुंच, नेपाल का विदेशी व्यापार होगा आसान

भारत ने नेपाल को विदेशी व्यापार के लिए दो और महत्वपूर्ण बंदरगाहों तक पहुंच देने का फैसला किया है। अब नेपाल गुजरात के कांडला और ओडिशा के पारादीप पोर्ट का इस्तेमाल तीसरे देशों के साथ आयात और निर्यात के लिए कर सकेगा। नेपाल एक लैंडलॉक्ड देश है, यानी उसकी समुद्र तक सीधी पहुंच नहीं है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए उसे दूसरे देशों के बंदरगाहों पर निर्भर रहना पड़ता है। अब तक नेपाल मुख्य रूप से भारत के कोलकाता, हल्दिया और विशाखापत्तनम बंदरगाहों का इस्तेमाल करता रहा है। कांडला और पारादीप तक पहुंच मिलने से उसके पास व्यापार के लिए अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होंगे। इस फैसले से नेपाल के विदेशी व्यापार को सुगम बनाने और माल ढुलाई के लिए नए रास्ते उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। भारत और नेपाल के धार्मिक तथा सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए दोनों प्रधानमंत्रियों ने सरयू-कमला एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम को नेपाल के जनकपुर धाम से जोड़ेगी। दोनों प्रधानमंत्रियों ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से ट्रेन को रवाना किया। इसका उद्घाटन रन 23 नवंबर को अयोध्या से शुरू हुआ।

सीजी विधानसभा के शीतकालीन सत्र

14 से 17 दिसंबर तक चलेगा छग विधानसभा का शीतकालीन सत्र

रायपुर/ संवाददाता



छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र इस बार कई अहम मुद्दों को लेकर चर्चा में रहने वाला है। 14 दिसंबर से शुरू होकर 17 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने के आसार हैं। चार दिन के इस सत्र के लिए विधायकों ने अभी से सरकार को घेरने की तैयारी शुरू कर दी है। अधिसूचना जारी होने के बाद सवाल लगाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। 19 नवंबर तक मिले आंकड़ों के मुताबिक विधानसभा के आगामी सत्र के लिए कुल 589 सवाल लगाए जा चुके हैं। इनमें 315 तारांकित और 274 अतारांकित प्रश्न शामिल हैं। इन सवालों के जरिए विधायक अलग-अलग विभागों के कामकाज, सरकारी योजनाओं और जनता से जुड़े मामलों पर सरकार से जवाब मांगेंगे। इस बार विपक्ष के निशाने पर धान खरीदी का मुद्दा प्रमुखता से रह सकता है। 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हो चुकी है, लेकिन बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ाई हैं। खरीदी केंद्रों में व्यवस्था, धान की गुणवत्ता, टोकन और किसानों को हो रही परेशानियों को लेकर विपक्ष सरकार से सवाल कर सकता है। इसके अलावा किसानों को उनकी उपज का भुगतान और खरीदी प्रक्रिया भी चर्चा में रह सकती है।कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दे भी सदन में उठने की संभावना है। विपक्ष विभिन्न विभागों में गड़बड़ियों, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर सरकार से जवाब मांग सकता है। वहीं इस सत्र के दौरान भाजपा सरकार अपने तीन साल का कार्यकाल भी पूरा करेगी।

विधानसभा में पेश होगा प्रस्ताव

अधिकारी का ऐलान..... अब पश्चिम बंगाल होगा पश्चिम बंग सीएम शुभेंदु

नई दिल्ली/ एजेंसी



पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को ऐलान किया कि राज्य का नया नाम 'पश्चिम बंग'रखने का प्रस्ताव विधानसभा में पेश किया जाएगा। इसके लिए 9 दिसंबर की तारीख तय की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि 9 दिसंबर को विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया जाएगा। विधानसभा से मंजूरी मिलने के बाद इसे केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। इसके बाद नाम बदलने की संवैधानिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री के मुताबिक, अंग्रेजी में भी राज्य का नाम पश्चिम बंगाल ही होगा।पश्चिम बंगाल विधानसभा का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरू होकर 14 दिसंबर तक चलेगा। इसी सत्र के दौरान 9 दिसंबर को राज्य का नाम बदलने से जुड़ा प्रस्ताव सदन में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में इसकी जानकारी दी। इससे पहले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने भी राज्य का नाम बदलने के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि सरकार जल्द ही विधानसभा में इस संबंध में प्रस्ताव लाएगी। अब मुख्यमंत्री के ऐलान के बाद नाम बदलने की योजना सामने आ गई है। पश्चिम बंगाल का नाम बदलने का मुद्दा नया नहीं है। इससे पहले ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने भी राज्य का नाम बदलने की कोशिश की थी। साल 2016 में राज्य सरकार ने अलग-अलग भाषाओं के लिए तीन नामों का प्रस्ताव रखा था। बाद में 2018 में विधानसभा ने सभी भाषाओं में राज्य का नाम 'बांग्ला' रखने का प्रस्ताव पारित किया था। हालांकि, केंद्र सरकार से मंजूरी नहीं मिलने के कारण यह बदलाव नहीं हो सका। इससे पहले 1999 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु की सरकार ने भी राज्य का नाम 'पश्चिम बंग' करने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन वह भी आगे नहीं बढ़ पाया।

भोजपुरी गीतों में कट्टा-एके 47 और जातीय वर्चस्व का बखान पड़ा महंगा, पुलिस सख्त

पटना। बिहार के भोजपुर जिले में अब भोजपुरी गीतों के जरिए कट्टा, एके-47, हत्या, रंगदारी, बालू माफिया और जातिगत वर्चस्व का महिमामंडन करना गायकों, गीतकारों और संगीतकारों को महंगा पड़ सकता है। पुलिस ने ऐसे गीतों और सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली रील्स के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। इस मामले में प्रमुख भोजपुरी गायकों समेत 45 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने रिकॉर्डिंग स्टूडियो और गीतों के निर्माण से जुड़े अन्य लोगों को भी जांच के दायरे में लिया है।

अंधविश्वास में खूनी वारदात

ग्राम दुगेली में जादू-टोना करने की शंका में एक शख्स की बेरहमी से हत्या कर दी गई,दो आरोपी गिरफ्तार....



दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले से हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्राम दुगेली में जादू-टोना करने की शंका में एक शख्स की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने लोहे के धारदार बंडा और लकड़ी के पीढ़े से हमला कर युवक को मौत के घाट उतारा था। मामला बचेली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता विजय कर्मा निवासी माड़कापारा दुगेली ने मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आयतु राम कर्मा (42 वर्ष) की 21 नवंबर 2026 की शाम 7 बजे से 22 नवंबर की सुबह 7 बजे के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हथियार से चेहरे और सीने पर वार कर हत्या कर दी है। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने धारा 103(1) और 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र खुंटे और एसडीओपी किरंदुल अविनाश ठाकुर के मार्गदर्शन में आरोपियों की तलाश शुरू की गई। जांच के दौरान ग्राम दुगेली के धुरवापारा में ग्रामीणों और गवाहों से पूछताछ की गई। इस दौरान लच्छू कर्मा (42 वर्ष) और मुद्दा कर्मा (30 वर्ष) पर हत्या में शामिल होने का संदेह जताया गया। इसके बाद पुलिस ने दोनों संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उन्हें आयतु कर्मा पर गांव में जादू-टोना (बड्डे) करने का शक था।



भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला पहुंचने पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

भाजयुमो अध्यक्ष ने कसा तंज

पूरे देश में कांग्रेस के लोग बेरोजगार हैं-हेमांग जोशी..

रायपुर। डबल इंजन सरकार के बावजूद छत्तीसगढ़ में बढ़ती बेरोजगारी वाले कांग्रेस के बयान पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ हेमांग जोशी ने पलटवार किया है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह केवल छत्तीसगढ़ का विषय नहीं है, पूरे देश में कांग्रेस के लोग बेरोजगार हैं. जनता ने कांग्रेस को फ्री कर दिया है. 'युवा संवाद' कार्यक्रम में शामिल होने रायपुर पहुंचे भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ हेमांग जोशी ने पत्रकारों से चर्चा की. इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के आरोपों पर तीखा प्रहार किया. उन्होंने बेरोजगारी को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि आज देश का युवा गिवर बन रहा है.



मानव तस्करी और घरेलू हिंसा पर मुख्यमंत्री ने जताई चिंता

सीएम विष्णुदेव साय बोले- इसे रोकने के लिए जनआंदोलन जरूरी है

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा के लिए आज छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। कार्यशाला में महिला सुरक्षा, मानव तस्करी, घरेलू हिंसा और महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया गया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सहित विशेषज्ञ और संबंधित पक्ष मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ष्टरू साय ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसी घटनाओं को कोई भी समाज स्वीकार नहीं कर सकता। भारत में प्राचीन काल से ही नारियों की पूजा की जाती रही है, लेकिन आज भी इन गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हमें इन समस्याओं को स्वीकार कर इनके समाधान के लिए प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी के मामलों में कई बार करीबी लोग ही शामिल होते हैं। पैसे और नौकरी का झांसा देकर महिलाओं को घरों से बाहर ले जाया जाता है और वे तस्करी के जाल में फंस जाती हैं। ऐसे कई मामले सामने आए हैं। दिल्ली में भी कई महिलाओं को इस तरह के जाल से छुड़ाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा और घरेलू हिंसा व मानव तस्करी को रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने सखी वन स्टॉप सेंटर का जिक्र करते हुए कहा कि यहां महिलाओं को 24 घंटे सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा 181 महिला हेल्पलाइन नंबर भी संचालित है। छत्तीसगढ़ पुलिस के अभिव्यक्ति ऐप के माध्यम से भी महिलाएं अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। घरेलू हिंसा और मानव तस्करी रुके इसकी कोशिश रहेगी। इसे रोकने हमें जनांदोलन करना होगा और सबको प्रयास करना पड़ेगा।



यूपी चुनाव 2027 की तैयारी: छत्तीसगढ़ भाजपा महिला मोर्चा की 100 पदाधिकारी मैदान में, प्रियंका गिरी को सीसामऊ सीट की जिम्मेदारी

जनता के गोठ- रायपुर

बिलासपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के तहत भारतीय जनता पार्टी ने अपने संगठनात्मक अभियान को गति दे दी है। पार्टी की रणनीति के अनुसार, छत्तीसगढ़ भाजपा महिला मोर्चा की करीब 100 पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को उत्तर प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में 'विस्तारक' के रूप में तैनात किया गया है। लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के बाद इन पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य संभाल लिया है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रियंका गिरी को कानपुर नगर की चर्चित सीसामऊ विधानसभा सीट (क्रमांक 213) की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लखनऊ कार्यशाला में तय हुई बूथ स्तर की रणनीति

भाजपा संगठन से मिली जानकारी के अनुसार, आगामी चुनावों के मद्देनजर 20 नवंबर को लखनऊ में एक प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश सह-प्रभारी मेधा कुलकर्णी, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

कार्यशाला में महिला विस्तारकों को बूथ स्तर पर संगठन की सक्रियता बढ़ाने, स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित करने, घर-घर संपर्क अभियान चलाने, महिला मतदाताओं से संवाद करने तथा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद आठ राज्यों से आई महिला विस्तारकों को उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर भेजा गया है।

विभा अवस्थी के नेतृत्व में पहुंची टीम, सीसामऊ में जनसंपर्क शुरू

छत्तीसगढ़ से महिला मोर्चा की



प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के नेतृत्व में करीब 100 पदाधिकारी और कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश पहुंचे हैं। कानपुर नगर की सीसामऊ विधानसभा सीट का दायित्व मिलने के बाद प्रियंका गिरी ने क्षेत्र में संगठनात्मक बैठकों के साथ-साथ जनसंपर्क शुरू कर दिया है। पार्टी पदाधिकारियों के मुताबिक, इस प्रवास का उद्देश्य केवल कार्यकर्ताओं से संवाद करना ही नहीं, बल्कि स्थानीय नागरिकों की समस्याओं, अपेक्षाओं और संगठन के प्रति मतदाताओं के रुख को समझना भी है, ताकि विस्तृत रिपोर्ट शीर्ष नेतृत्व को सौंपी जा सके।

1996 के बाद से भाजपा को जीत का इंतजार, सपा का रहा है दबदबा- राजनीतिक दृष्टि से सीसामऊ विधानसभा सीट भाजपा के लिए लंबे समय से चुनौतीपूर्ण रही है। इस सीट का चुनावी समीकरण पिछले तीन दशकों में कुछ इस प्रकार रहा है:

- 1991 से 1996: भाजपा ने इस सीट पर लगातार तीन बार (1991, 1993 और 1996) जीत दर्ज की थी।
- 2002 और 2007: इन दोनों विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने यहां जीत हासिल की।
- 2012 से अब तक: वर्ष 2012 से इस सीट पर समाजवादी पार्टी (सपा) का कब्जा बरकरार है। 2022 के चुनाव में सपा के इरफान सोलंकी विधायक चुने गए थे। उनके अयोग्य घोषित होने के बाद 2024 में हुए उपचुनाव में उनकी पत्नी नसीम सोलंकी ने जीत दर्ज की और वर्तमान में वही इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

क्षेत्रीय पदाधिकारियों से समन्वय और जमीनी फीडबैक पर जोर- सीसामऊ पहुंचने के बाद प्रियंका गिरी ने स्थानीय संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठकें की हैं। इस दौरान क्षेत्र अध्यक्ष, संगठन महामंत्री राजेश सिंह पटेल और महिला मोर्चा की क्षेत्रीय अध्यक्ष मोना शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

भाजपा की इस कवायद का मुख्य केंद्र विधानसभा क्षेत्रों से निष्पक्ष जमीनी फीडबैक जुटाना है। विस्तारकों द्वारा तैयार की जाने वाली संगठनात्मक रिपोर्ट और स्थानीय आकलन को आगामी चुनावी रणनीति और प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण आधार बनाया जाएगा।

धान खरीदी केंद्रों में ऑपरेटरों का टोटा, टोकन से लेकर खरीदी तक अटकी व्यवस्था

बकावंड एवं बस्तर विकासखंड के खरीदी केंद्रों में पंजीयन, टोकन और धान उठाव को लेकर किसानों की बढ़ी परेशानी

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ



जगदलपुर / बस्तर जिले में धान खरीदी का कार्य शुरू हो चुका है, लेकिन खरीदी केंद्रों में ऑपरेटरों की कमी के चलते किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बकावंड एवं बस्तर विकासखंड के कई धान खरीदी केंद्रों में अभी तक ऑपरेटरों की व्यवस्था नहीं हो पाने से खरीदी प्रक्रिया प्रभावित होने की शिकायत सामने आ रही है।

ऑपरेटरों की कमी के कारण किसानों का पंजीयन, टोकन जारी करने, धान तौलने, खरीदी संबंधी ऑनलाइन प्रक्रिया और धान उठाव जैसे कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। किसानों का कहना है कि वे खरीदी केंद्रों में सुबह से पहुंचकर इंतजार करते हैं, लेकिन जरूरी व्यवस्था नहीं होने के कारण कई बार उन्हें बिना धान बेचे ही वापस लौटना पड़ता है।

वहीं, धान का उठाव समय पर नहीं होने से कुछ खरीदी केंद्रों में धान जमा होने की स्थिति बन रही है। इससे किसानों और केंद्र संचालकों की चिंता बढ़ गई है। खुले में रखे धान को मौसम की मार से नुकसान होने की आशंका भी बनी हुई है।

किसानों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि बकावंड एवं बस्तर विकासखंड के सभी धान खरीदी केंद्रों में जल्द प्रशिक्षित ऑपरेटरों की नियुक्ति की जाए, ताकि खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सके। किसानों का कहना है कि धान खरीदी सीजन में समय पर व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है, अन्यथा आने वाले दिनों में किसानों की परेशानी और बढ़ सकती है। बकावंड विकासखण्ड के किसानों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर खरीदी केंद्रों में व्यवस्था सुधारने की अपील है।

पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों में बिछ रहा सड़कों का जाल, विधायक भावना बोहरा ने 9.33 करोड़ से अधिक के सड़क निर्माण एवं नवीनीकरण कार्य का किया भूमिपूजन

विधायक भावना बोहरा ने 9.33 करोड़ के वनांचल क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित डेंगुरजाम से अमनिया सड़क निर्माण एवं देवसरा से कुई तक सड़क नवीनीकरण कार्य का किया भूमिपूज

कवर्धा/पंडरिया विधायक भावना बोहरा के सतत प्रयासों और डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया विधानसभा के गाँव-गाँव तक समृद्धि और विकास की किरण पहुँच रही है। जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है वहीं हर गाँव को विकास की मुख्य धारा से जोड़ती पक्की सड़कें पंडरिया के विकास को नई गति दे रही हैं। इसी कड़ी में आज पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने वनांचल क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग रही दो प्रमुख सड़कों के निर्माण एवं नवीनीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कुल 9 करोड़ 33 लाख 1 हजार रुपए की लागत से दो महत्वपूर्ण सड़कों लोक निर्माण विभाग अंतर्गत की लागत से डेंगुरजाम से अमनिया तक 3.20 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य एवं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 3 करोड़ 61 लाख 42 हजार रुपए की लागत से देवसरा से कुई तक 7.4 किलोमीटर सड़क नवीनीकरण कार्य का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बधाई दी और इस सौगात के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी का आभार व्यक्त किया। इन विकास कार्यों के माध्यम से ग्राम देवसरा,अमनिया, डेंगुरजाम, कुई सहित क्षेत्र के दूरस्थ वनांचल के गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने, आवागमन सुगम बनाने तथा ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि विकास का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब उसकी रोशनी अंतिम छोर पर बसे गांव और वहां रहने वाले प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। सड़कें विकास की आधारशिला हैं, जो गांवों को शहरों से, किसानों को बाजार से, विद्यार्थियों को शिक्षा से और जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ती हैं। इन सड़कों



के निर्माण एवं नवीनीकरण से वनांचल क्षेत्र के ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। गांवों को बेहतर सड़क संपर्क मिलने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। साथ ही क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के वनांचल एवं आदिवासी अंचलों का सर्वांगीण विकास हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार गांव, गरीब, किसान और जनजातीय समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि वनांचल में सड़कों का मजबूत जाल विकसित हो, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो और प्रत्येक गांव विकास की मुख्यधारा से जुड़े। इन कार्यों से क्षेत्र में विकास, विश्वास और समृद्धि के नए मार्ग प्रशस्त होंगे। वनांचल एवं आदिवासी क्षेत्रों में सड़क निर्माण केवल आवागमन की सुविधा नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आर्थिक अवसर और सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम है। सड़क, बिजली, पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ पंडरिया विधानसभा क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर पंडरिया के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों में 100 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण, पीएम जनमन योजना के माध्यम से 3500 पीएम आवास, विद्युत् विहीन ग्रामों तक बिजली की पहुँच, टैंकरों और बोर खनन के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति, दामापुर में लिंक कोर्ट की स्थापना से प्रशासनिक सुविधाएँ अब अपने गाँव के नजदीक मिल रही है, महाविद्यालयीन छात्राओं हेतु निःशुल्क बस संचालन से वनांचल की बेटियां भी अब उच्च शिक्षा ग्रहण कर अपने सपनों को पूरा कर रहीं हैं, निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से आपातकालीन समय में त्वरित सहायता एवं निःशुल्क मोबाइल हेल्थ लैब के माध्यम से स्वास्थ्य जाँच की सुविधा क्षेत्रवासियों को मिल रही है। पंडरिया क्षेत्र के दूरस्थ गांवों में विकास कार्यों को गति देना, जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराना और जनजीवन को सुगम बनाना हमारा संकल्प है।

ग्रामीण डाक कर्मचारी संघ बस्तर संभाग का द्विवार्षिक अधिवेशन संपन्न, नई कार्यकारिणी गठित

राष्ट्रहित, विभाग हित और कर्मचारी हित को लेकर संगठनात्मक मजबूती पर जोर

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ



जगदलपुर। भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी संघ बस्तर संभाग का द्विवार्षिक द्वितीय अधिवेशन 22 नवंबर 2026, रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार टाउन हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ. सुभाऊ कश्यप मुख्य अतिथि तथा भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय महामंत्री दिनेश राय, छत्तीसगढ़ परिमंडल अध्यक्ष राजेश गुरुदान, सुपरवाइजर एसोसिएशन सचिव जीआर साहू, भारतीय मजदूर संघ प्रदेश मंत्री विकास सिंह एवं पोस्टमैन-एमटीएस सचिव अशोक ठाकुर अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मुख्य अतिथि डॉ. सुभाऊ कश्यप ने संघ के राष्ट्रहित, विभाग हित एवं कर्मचारी हित के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए संगठन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। मुख्य वक्ता दिनेश राय ने विभाग एवं कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बेहतर कार्य करने तथा संगठन को मजबूत बनाने की बात कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संभागीय अध्यक्ष जयप्रकाश विश्वकर्मा ने की। आयोजन एवं संचालन हेमंत कुमार पांडे, राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं छत्तीसगढ़ परिमंडल सचिव तथा बस्तर संभाग सचिव ने किया।

अधिवेशन के दौरान संभागीय नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें जयप्रकाश विश्वकर्मा संभागीय अध्यक्ष, नागेंद्र सिंह, रमेश यादव एवं शिवकुमार यादव उपाध्यक्ष तथा हेमंत कुमार पांडे संभाग सचिव चुने गए।

कार्यक्रम में लीलेंद्र वर्मा, नूरनेश पानिग्राही, सत्येंद्र साव, रामगोविंद पांडे, एसबी मांझी, एसआर बघेल, सुप्रिया साहू, युवराज सिंह, आशीष बरगाह, डीकेश पांडे, लिमधर सिन्हा, पुष्पा मिश्रा, विपिन सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जांच से पहले प्रशासन की सफाई पर विधायक का पलटवार, 16.73 करोड़ के पौधारोपण मामले में उठाए सवाल

विक्रम मंडावी बोलेङ्क जांच पूरी होने से पहले क्लीनचिट कैसे? शीतकालीन विधानसभा में भी उठाएंगे मामला

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर।बीजापुर जिले में विकसित भारत-जी राम जी (मनरेगा) योजना के तहत बीजापुर जिले में पौधारोपण कार्यों को लेकर कथित अनियमितता का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से जारी स्पष्टीकरण पर विधायक विक्रम मंडावी ने पलटवार करते हुए जांच पूरी होने से पहले सफाई दिए जाने पर सवाल उठाए हैं।

विधायक ने कहा कि जब राज्य शासन ने पूरे मामले की जांच बस्तर संभागायुक्त को सौंपी है, तो जांच रिपोर्ट आने से पहले जिला प्रशासन द्वारा स्पष्टीकरण जारी कर आरोपों पर सफाई देना समझ से परे है। उन्होंने सवाल किया कि क्या जिला प्रशासन को शासन द्वारा गठित जांच पर भरोसा नहीं



है? विक्रम मंडावी ने कहा कि पौधारोपण कार्यों से जुड़े सभी तथ्य और दस्तावेज जांच दल के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। पौधारोपण के नाम पर कहां-कहां कार्य हुए, दस्तावेजों में कितने पौधे दर्शाए गए और वास्तविकता में कितने पौधे लगाए गए, इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए

विधायक ने स्पष्ट किया कि वे इस मामले को आगामी शीतकालीन विधानसभा सत्र में भी उठाएंगे तथा सदन के माध्यम से कथित अनियमितताओं की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग करेंगे।

16.73 करोड़ रुपये के पौधारोपण कार्यों को लेकर उठे सवालों के बीच अब बस्तर संभागायुक्त की जांच रिपोर्ट का इंतजार है। मामले को लेकर जिले में राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई है।

मतदाता अधिकारों की रक्षा को गांव-गांव पहुंची कांग्रेस, नगरनार ब्लॉक के चार गांवों में जनचौपाल

'वोट बचाओङ्कदेश बचाओ' अभियान के तहत मतदाता सूची की पारदर्शिता और लोकतांत्रिक अधिकारों पर ग्रामीणों से संवाद

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ



जगदलपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आदेश एवं बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर 'वोट बचाओङ्कदेश बचाओ' अभियान के तहत नगरनार ब्लॉक के खमारगांव, सिवनागुड़ा, उपनपाल एवं बोदामुंडा में बूथ स्तरीय जनचौपाल आयोजित की गई। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से लोकतंत्र की मजबूती, मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी पारदर्शिता को लेकर चर्चा की। जनचौपाल में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की ताकत जनता के वोट में निहित है। मतदाता सूची में गड़बड़ी, पात्र मतदाताओं के नाम हटने तथा फर्जी और दोहरे नामों जैसी समस्याएं चुनावी निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती हैं। ग्रामीणों से अपने परिवार के सभी सदस्यों के नाम मतदाता सूची में जांचने और गड़बड़ी मिलने पर संबंधित अधिकारियों को जानकारी देने की अपील की गई।

बोदामुंडा में जनचौपाल को संबोधित करते हुए शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि वोट नागरिक की आवाज, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी का सशक्त माध्यम है। मताधिकार की सुरक्षा और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है।

नगरनार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संतोष सेठिया, बूथ प्रभारी सुकलधर एवं उपनपाल बूथ प्रभारी जलंधर नाग ने भी मतदाता अधिकारों की रक्षा तथा लोकतंत्र और संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

इस दौरान अभिषेक नायडू, प्रशांत जैन, विजेंद्र ठाकुर, शंकर नाग, लेखन गोयल, मुकुंद नेताम, दयाराम कश्यप, राजेंद्र नाग, श्याम सुंदर नाग सहित कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजनीति में छत्तीसगढ़ के दुर्ग की चमक : दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर बने भाजपा राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री

केंद्रीय नेतृत्व ने जताया भरोसा -दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर बने भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।

दुर्ग - भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने दुर्ग ग्रामीण के विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) ललित चंद्राकर पर एक बार फिर बड़ा भरोसा जताते हुए उन्हें भाजपा ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से पूरे छत्तीसगढ़ सहित दुर्ग जिले में हर्ष और उत्साह का वातावरण है।

ललित चंद्राकर का सफर बूथ के एक सामान्य कार्यकर्ता से लेकर राष्ट्रीय महामंत्री तक का है, जो हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा है।

परिचय -

नाम - ललित चंद्राकर

पिता - स्व. अर्जुन सिंह चंद्राकर

माता - स्व. पूर्णिमा चंद्राकर

जन्मतिथि - 07-11-1974

शिक्षा - बी.कॉम

व्यवसाय - कृषि, राईस मिल एवं दाल मिल

जाति - कुर्मी (अन्य पिछड़ा वर्ग)

पता - ग्राम कोलियापुरी, जिला दुर्ग (छ.ग.)

वर्तमान पता - मोहन नगर, गजानन मंदिर के पास, दुर्ग (छ.ग.)

ऑफिस का पता सिविल लाइन दुर्ग

मोबाइल - 98271-62035, 89668-62035

राजनैतिक सफर -

1. वर्ष 1994 में बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर वार्ड में भाजपा का प्रचार-प्रसार किया।

2. वर्ष 2000 में महामंत्री, अविभाजित दुर्ग जिला भारतीय जनता युवा मोर्चा बने।

3. वर्ष 2004 में अध्यक्ष, दुर्ग जिला भारतीय जनता युवा मोर्चा बने। 4. वर्ष 2007 से लेकर 2019 तक कार्यकारिणी सदस्य, प्रदेश भारतीय जनता युवा मोर्चा



रहे। 5. वर्ष 2007 में कांकेर जिला भारतीय जनता युवा मोर्चा व महेन्द्रगढ़, भिलाई भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रभारी रहे। 6. वर्ष 2016 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का विशेष प्राथमिक वर्ग प्रशिक्षित, राजनांदगांव। 7. दिसंबर 2020 से महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी दुर्ग जिला एवं प्रभारी जिला भारतीय जनता युवा मोर्चा दुर्ग। 8. प्रभारी सिकोला भाटापारा मंडल भारतीय जनता पार्टी। 2003 से 2018 तक पार्टी के विभिन्न पदों पर रहते हुए राज्य की भाजपा सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर व मोबाईल संदेशों से, शिविर के माध्यम से (दुर्ग शहर व दुर्ग ग्रामीण विधानसभा) लोगों को भाजपा से जोड़कर पार्टी को मजबूत करने का कार्य किया। 2021 में जिला भाजपा महामंत्री नियुक्त होने के पश्चात जिले में पार्टी के खिसकते वोट बैंक को वापस लाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री के गृह जिला रहते हुए भी पार्टी को शानदार विजय दिलाने का कार्य किया तथा पूर्व गृहमंत्री छ.ग. शासन के निर्वाचन क्षेत्र दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़कर अभूतपूर्व सफलता हासिल करते हुए अपने पहले ही विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल कर विधायक निर्वाचित हुए। वर्ष 2024 में छ.ग. शासन द्वारा उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) - छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। 2023 में विधायक दुर्ग ग्रामीण विधानसभा निर्वाचित होने के पश्चात क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं तथा संगठन को मजबूत बनाया जा रहा है।

सामाजिक दायित्व - राजनीतिक व्यस्तताओं के बीच भी समय निकालकर महिला समूह, रामायण मंडली, मानस मंडलियों, खेलकूद के माध्यम से शहरी व ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाया। सरकारी स्कूल के निर्धन छात्र-छात्राओं को कॉपी, पुस्तक, ड्रेस वितरण व मेडिकल कैंप भी आयोजित किया, जिसके कारण सभी वर्ग के लोगों का निरंतर आशीर्वाद उन्हें प्राप्त हुआ। वे चंद्रगाहू कुर्मी समाज के प्रदेश प्रतिनिधि हैं। पूर्व सदस्य - जीवनदीप समिति जिला अस्पताल दुर्ग, संरक्षक - वृक्षारोपण अभियान समिति दुर्ग ग्रामीण, संरक्षक - जल जागरण एवं मानस समिति दुर्ग ग्रामीण, संरक्षक - खेलकूद उन्नयन समिति दुर्ग ग्रामीण, संरक्षक - नशामुक्ति अभियान दुर्ग ग्रामीण, संरक्षक - बुजुर्ग सम्मान समिति दुर्ग ग्रामीण, संरक्षक - त्रिमूर्ति उत्सव समिति दुर्ग शहर, आजीवन सदस्य - गंजपारा दुर्गोत्सव समिति दुर्ग शहर।

पल्लीभाटा में धर्म ध्वजारोहण, मंगल कलश यात्रा और भजन-संकीर्तन का हुआ आयोजन, भक्त ों ने लिया भक्ति संगीत का आनंद

भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया भगवान श्री सत्य साईं बाबा का 101वां जन्मोत्सव

बकावंड जनता के गोठ।बस्तर विकासखंड के अंतर्गतभगवान श्री सत्य साई बाबा का 101वां जन्मोत्सव सोमवार, 23 नवंबर को पल्लीभाटा में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सत्य साई सेवा समिति पल्लीभाटा के तत्वावधान में समिति के सदस्यों एवं साई भक्तों द्वारा विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान के साथ धर्म ध्वजारोहण कर किया गया। इसके पश्चात सामूहिक प्रार्थना एवं सेवा गतिविधियों के माध्यम से बाबा के प्रेम, शांति, सेवा और मानवता के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। जन्मोत्सव के



अवसर पर माता-बहनों द्वारा भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली गई। पारंपरिक रीति-रिवाजों और भक्तिमय वातावरण के बीच निकली यह यात्रा गांव के विभिन्न मोहल्लों से होकर गुजरी। इस दौरान साई भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। जन्मोत्सव का मुख्य कार्यक्रम मुख्य मार्ग स्थित श्री साई बाबा मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया, जहां ग्राम के प्रबुद्धजनों, समिति के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में साई भक्तों ने सहभागिता की। इस दौरान सुमधुर भजन-संकीर्तन की प्रस्तुति दी गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति संगीत का आनंद लेते हुए भगवान श्री सत्य साई बाबा के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। इसके साथ ही भगवान श्री सत्य साई बाबा के 101वें जन्मोत्सव समारोह का श्रद्धा और उल्लासपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। इस आयोजन ने एक बार फिर बाबा के प्रेम, सेवा, त्याग, शांति और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रेरणादायी कार्य किया। कार्यक्रम को फसल बनाने में समिति के अध्यक्ष लच्छूराम यादव ,सेवा प्रभारी भूपेन्द्र ठाकुर सहित तुलसीराम ठाकुर,तेजलाल यादव,केदार सिंह ठाकुर, रूपेंद्र चंदेल, प्रदीप ठाकुर,त्रिनाथ ठाकुर,पिलाराम,सुनील यादव, रिंकी ठाकुर, शार्दूल ठाकुर, निर्मला ठाकुर, सुरजाबाई,जानकी यादव हिना, कंचन,चंदा लली सहित अन्य साई भक्तो एवं ग्रामवासियों का सराहनीय सहयोग रहा।

सेक्टर-2 में विधि-विधान से मनाया गया तुलसी पूजन एवं तुलसी विवाह पर्व

भिलाई स्टील सिटी। सेक्टर-2 स्थित श्री प्रशांत क्षीरसागर एवं श्रीमती उषा क्षीरसागर के निवास पर छोटी दिवाली एवं देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर तुलसी पूजन एवं गन्ने की पूजा विधि-विधान एवं श्रद्धा-भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई।

इस अवसर पर तुलसी वृंदावन को आकर्षक रूप से सजाकर तुलसी माता एवं गन्ने की पूजा-अर्चना की गई। श्रीमती उषा क्षीरसागर द्वारा तुलसी विवाह की पारंपरिक रस्में मंगलाष्टक गीत गाकर संपन्न कराई गई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी एवं गन्ने की पूजा करने से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है।

पूजन के दौरान तुलसी माता को जल, हल्दी, कुमकुम, अक्षत एवं पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया गया। इसके पश्चात विधि-



विधान से आरती की गई और प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने 'तुलसी मैया की जय हो' के जयकारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस पावन अवसर पर श्री प्रशांत क्षीरसागर, श्रीमती उषा क्षीरसागर, रुद्र क्षीरसागर एवं पीयूष क्षीरसागर द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।

हिमाचल की वादियों में बस्तर के ह्स्स स्वयंसेवकों का साहसिक सफर, राष्ट्रीय एडवेंचर कैंप में दिखा युवाओं का उत्साह और जज्बा

दुर्गम पहाड़ियों में ट्रेकिंग कर युवाओं ने दिखाया टीम भावना और आत्मविश्वास राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर का बढ़ाया गौरव हिमाचल

बकावंड जनता के गोठ।हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स) के अंतर्गत बस्तर जिले के स्वयंसेवक हिमाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय एडवेंचर कैंप में शामिल होकर साहसिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा और उत्साह का प्रदर्शन कर रहे हैं।

बस्तर विश्वविद्यालय कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजीवन कुमार के मार्गदर्शन में बस्तर क्षेत्र के स्वयंसेवक इस राष्ट्रीय स्तर के एडवेंचर कैंप में सहभागिता कर रहे हैं। इस दौरान भुवनेश्वर कश्यप, धर्मी ठाकुर, अवंतिका एवं गोविंद अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

कैंप के दौरान स्वयंसेवकों ने हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच दुर्गम रास्तों पर ट्रेकिंग की। पहाड़ों की ऊंची-



नीची पगडंडियों और कठिन चढ़ाई के बावजूद युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सभी स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे का सहयोग करते हुए टीम भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय दिया।

राष्ट्रीय एडवेंचर कैंप का उद्देश्य युवाओं में साहसिक भावना विकसित करने के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, शारीरिक एवं मानसिक मजबूती और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता विकसित करना है। इस कैंप के माध्यम से स्वयंसेवकों को देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों के साथ अनुभव साझा करने और राष्ट्रीय एकता एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करने का अवसर भी मिल रहा है।

बस्तर के लिए गौरव का क्षण

आदिवासी संस्कृति और प्राकृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध बस्तर के युवा अब राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहे हैं। बस्तर विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय एडवेंचर कैंप में युवाओं की सहभागिता निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों और ह्स्स स्वयंसेवकों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

हिमाचल प्रदेश की वादियों में चल रहा यह साहसिक सफर स्वयंसेवकों के लिए नई सीख, नए अनुभव और जीवनभर याद रहने वाली उपलब्धि साबित हो रहा है।

मितानिन दीदियों का सम्मान कर रक्षा गौधाम फाउंडेशन ने दिया महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बलरामपुर (जनता के गोठ) : मितानिन दिवस के अवसर पर रक्षा गौधाम फाउंडेशन ने गौधाम परिसर में सम्मान समारोह एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत कड़ी मितानिन दीदियों के योगदान को सलाम किया। इस दौरान मितानिन दीदियों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सम्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। सभी मितानिन दीदियों ने गौधाम परिसर में पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने और प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लिया। फाउंडेशन की संस्थापक शोभा यादव ने कहा कि मितानिन दीदियां ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा महिलाओं को आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कठिन परिस्थितियों में भी उनका सेवाभाव और समर्पण समाज के लिए प्रेरणादायी है।

उन्होंने कहा कि मितानिन दीदियों का सम्मान केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उनके निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और मेहनत के



प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रयास है। महिलाओं के सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना संस्था की प्राथमिकताओं में शामिल है।

रक्षा गौधाम फाउंडेशन गौसेवा के साथ सामाजिक सरोकार, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने समाज सेवा, महिला सम्मान और प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सम्मान, सेवा और हरियाली की पहल के साथ रक्षा गौधाम फाउंडेशन ने मितानिन दिवस को सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का संदेश देने वाला अवसर बनाया।

अदानी पावर प्लांट विस्तार के विरोध में फूटा जनसैलाब, ताराशिव में जनसुनवाई निरस्त करने की मांग

जनता के गोठ- रायपुर

रायपुर/ताराशिव। रायपुर जिले के ग्राम ताराशिव में अदानी पावर प्लांट की प्रस्तावित तीसरी इकाई के विस्तार को लेकर पर्यावरण विभाग द्वारा आयोजित जनसुनवाई के विरोध में किसानों और ग्रामीणों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। परियोजना से प्रभावित होने वाले ग्राम रायखेड़ा, चिचोली, गेतरा और सोनदरा सहित आसपास के ग्रामीणों ने लामबंद होकर जनसुनवाई की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए और ज्ञापन सौंपकर इसे तत्काल निरस्त करने की मांग की।

उपजाऊ जमीन छिनने से बेरोजगारी और भुखमरी का संकट

ग्रामीणों ने बताया कि इस क्षेत्र के किसान बारहमासी खेती करते हैं, जिसमें धान, दलहन, तिलहन और सब्जियों का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। यही कृषि उनकी



आजीविका का मुख्य आधार है। ग्रामीणों का आरोप है कि उद्योग विस्तार के नाम पर उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण किए जाने से खेती-किसानी पूरी तरह चौपट हो जाएगी, खेतों की पैदावार घटेगी और किसान भूमिहीन होकर बेरोजगारी व भुखमरी की कगार पर पहुंच जाएंगे।

पूर्व में संचालित प्लांट से बदहाल हुए गांव, गहराया जल संकट ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने रायखेड़ा में पहले से संचालित अदानी पावर प्लांट के दुष्प्रभावों को भी सामने रखा। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व के प्रोजेक्ट से जमीनी स्तर पर गांवों का कोई विकास नहीं हुआ, बल्कि क्षेत्र का वातावरण दूषित हुआ है और इंसानों व मवेशियों में बीमारियों का प्रकोप बढ़ा है। प्लांट में प्रतिदिन हजारों लीटर भू-जल की खपत होने से जलस्तर काफी नीचे चला गया है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि तीसरी यूनिट के विस्तार के बाद आसपास के कुएं, बोरवेल और



तालाब पूरी तरह सूख जाएंगे।

प्रदूषण से स्वास्थ्य पर खतरा और पारदर्शिता पर सवाल

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि कारखाने से निकलने वाली जहरीली गैसों, राख, डस्ट और धुएं से संपूर्ण क्षेत्र का वायुमंडल प्रदूषित होगा, जिससे लोगों में सांस लेने की तकलीफ, दमा, नेत्र रोग और त्वचा संबंधी गंभीर बीमारियां फैलने की आशंका है। इसके साथ ही जहरीले अपशिष्ट और गंदे पानी से भू-जल दूषित होने के कारण मवेशियों, वन्यजीवों और पक्षियों के जीवन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। ग्रामीणों ने जनसुनवाई की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि प्रभावित भू-स्वामियों को न तो उचित पूर्व सूचना या नोटिस दिया गया और न ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। ग्रामीणों ने दो टूक मांग की है कि जब तक उनकी सभी आपत्तियों का समुचित निराकरण नहीं हो जाता, तब तक इस पर्यावरण जनसुनवाई को पूरी तरह निरस्त रखा जाए।

सांकरा में गरिमामय ढंग से मना मितानिन दिवस, युवा सरपंच रवि सिंगौर ने मितानिन बहनों का किया सम्मान

मितानिन कार्यक्रम के 24 वर्ष पूर्ण होने पर उपस्वास्थ्य केंद्र में आयोजित हुआ समारोह; सरपंच बोले– ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं मितानिनें

जनता के गोठ- रायपुर

सांकरा। मितानिन दिवस के अवसर पर ग्राम सांकरा स्थित उपस्वास्थ्य केंद्र में मितानिन बहनों के सम्मान में स्वागत एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। मितानिन कार्यक्रम के गौरवशाली 24 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्राम के युवा सरपंच एवं भाजयुमो मंडल अध्यक्ष रवि सिंगौर ने सभी मितानिन बहनों को सम्मानित कर उनके निरंतर सेवाभाव और समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरपंच रवि सिंगौर ने कहा कि मितानिन बहनें ग्रामीण स्वास्थ्य



व्यवस्था की सबसे मजबूत कड़ी हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी वे गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, स्वच्छता तथा स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। निःस्वार्थ भाव से किया जा रहा उनका यह सेवा कार्य पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है।

इन मितानिन बहनों का हुआ सम्मान

समारोह के दौरान ग्राम में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं दे रहीं मितानिन बहनों– दुलेश्वरी सिंगौर, गंगा सिंगौर, पार्वती यादव, पूजा बंजारे, सुशीला शर्मा, दूरपति, परमेश्वरी एवं विक्टोरिया निर्मलकर का विशेष सम्मान किया गया।

इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष छोटू यादव, कामता सिंगौर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने मितानिन बहनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें मितानिन दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

चितावर में सामाजिक एकजुटता का दिखा दम, बैठक में जुटे समाज के दिग्गज; बाबूलाल साहू का जन्मदिन भी बना खास





जनता के गोठ/ओंकार साहू

बलौदाबाजार। समाज की असली ताकत उसकी एकता और संगठित प्रयासों में होती है। इसी संदेश के साथ सिमगा ग्रामीण परिक्षेत्र चितावर में सामाजिक बैठक का आयोजन हुआ, जहां समाज के जिला, तहसील, नगर एवं परिक्षेत्र स्तर के पदाधिकारी और सामाजिकजन एक मंच पर नजर आए। बैठक में सामाजिक संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आपसी समन्वय बढ़ाने तथा समाज के विकास को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति केवल पदों और बैठकों से नहीं, बल्कि प्रत्येक सामाजिकजन की सक्रिय भागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी से संभव है। समाज में एकता, शिक्षा, संस्कार और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने पर जोर दिया गया। साथ ही सामाजिक गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने और संगठन को नई ऊर्जा देने की बात कही गई।

सामाजिक बैठक के दौरान सिमगा तहसील के पूर्व तहसील अध्यक्ष बाबूलाल साहू का जन्मदिन भी उत्साहपूर्वक मनाया गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सामाजिकजनों ने केक काटकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और उनके स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना की। सामाजिक चर्चा के बीच यह आत्मीय आयोजन कार्यक्रम का खास आकर्षण रहा।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुनील साहू, जिला महिला उपाध्यक्ष संध्या साहू, जिला महिला संगठन सचिव अनुपमा साहू, तहसील अध्यक्ष रामनाथ साहू, पूर्व तहसील अध्यक्ष बाबूलाल साहू एवं जीतराम साहू, भाटापारा तहसील अध्यक्ष कुलेश्वर साहू, भाटापारा नगर अध्यक्ष राजेश साहू, सुरेश साहू, तहसील उपाध्यक्ष भुवन लाल साहू, तहसील सचिव धनेश्वर साहू, सिमगा ग्रामीण परिक्षेत्र अध्यक्ष शेषनारायण साहू, बिसाहू साहू, नेतराम साहू, जिला कार्यकारिणी सदस्य हेमलाल साहू, पूर्व परिक्षेत्र अध्यक्ष योगेश राहुल साहू, परिक्षेत्र उपाध्यक्ष समयलाल साहू, सिमगा तहसील महिला उपाध्यक्ष सावित्री साहू, ग्रामीण परिक्षेत्र महिला उपाध्यक्ष सुमन साहू, ग्रामीण अध्यक्ष महेंद्र साहू, रमेश साहू, श्रीराम, दयाराम, दुर्गा, लीलाधर मनोज साहू, दीपक साहू, जीवन साहू, छबि साहू, नरेश साहू, कमल, ओमप्रकाश साहू, धनीराम साहू एवं रामनरेश साहू सहित बड़ी संख्या में सामाजिकजन उपस्थित रहे।

ई-ऑफिस और अटेंडेंस व्यवस्था में लापरवाही नहीं चलेगी, कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

बलरामपुर (जनता के गोठ) : कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में ई-ऑफिस कार्यप्रणाली और उपस्थिति व्यवस्था को प्राथमिकता से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार ई-फाइलों की स्थिति एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को फाइलों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि ई-ऑफिस प्रणाली का उद्देश्य शासकीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित निर्णय प्रक्रिया को मजबूत करना है। फाइलों को बिना उचित कारण लंबित रखना स्वीकार्य नहीं है। सभी विभाग प्रमुख प्रतिदिन ई-फाइलों की समीक्षा कर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करें।

उन्होंने ई-ऑफिस और उपस्थिति व्यवस्था में हुए सुधारों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण कराने तथा अब तक की प्रगति का आकलन कर आगे सुधार की संभावनाओं पर कार्य करने के



निर्देश दिए। जिला संयुक्त कार्यालय को आदर्श कार्यालय के रूप में विकसित करने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और निरंतर सुधार जरूरी बताया।

बैठक में शहर की साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सभी वार्डों, प्रमुख सड़कों, चौक-चौराहों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर आम नागरिकों के आवेदन एवं शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने पर जोर दिया गया।

कलेक्टर ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचना चाहिए। सभी अधिकारी आपसी समन्वय से जनहित के कार्यों में तेजी लाएं और मैदानी स्तर पर व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करें। बैठक में धान खरीदी, सुघर छत्तीसगढ़ अभियान एवं पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही 27 नवंबर को रघुनाथनगर में प्रस्तावित मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, आर.एस. लाल, अभिषेक गुप्ता सहित सभी एसडीएम एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत को क्या आपत्ति!

फ्रेंच कंपनियों ने कहा है कि वे भारत में राफेल विमान के बड़े हिस्से का उत्पादन करने पर सहमत हुई हैं, लेकिन विमान के मूल डिजाइन, महत्त्वपूर्ण तकनीक और संवेदनशील पुर्जों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेंगी। राफेल लड़ाकू विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन और इंजन निर्माता कंपनी सफ्रान ने साफ किया है कि वे भारत में विमान और उसके इंजन के बड़े हिस्से का उत्पादन करने पर सहमत हुई हैं, लेकिन विमान के मूल डिजाइन, महत्त्वपूर्ण तकनीक और इंजन के संवेदनशील पुर्जों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेंगी। फ्रांस में इस संबंध में उठे सवालों पर इन कंपनियों ने यह स्पष्टीकरण दिया। इस क्रम में यह मुद्दा फिर उठा है कि फ्रांस किस हद तक भारत को तकनीक ट्रांसफर के लिए राजी हुआ है? पहले दोनों देशों की सरकारों की तरफ से कहा गया था कि दसॉ भारत को टेक्नोलॉजी भी देगी। लेकिन अब इसका मतलब बताया गया है यह प्रक्रिया सिर्फ विमान के पुर्जे बनाने, ढांचा तैयार करने, इंजन असेंबल करने और रखरखाव तक सीमित होगी। ये कंपनियां अपनी गोपनीय और संवेदनशील तकनीकों- मसलन, सॉफ्टवेयर का सोर्स कोड, रडार का एल्गोरिदम, और इंजन के सबसे अहम अंदरूनी हिस्सों से जुड़ी तकनीक भारत को नहीं देंगी। यानी कंपनियों ने एक 'लक्ष्मण रेखा' तय कर दी है। अब यह भारत सरकार पर है कि इस बारे में अपना रुख बताए। उसे देशवासियों को बताना चाहिए 114 विमानों की खरीद का करार होते वक्त क्या सहमति बनी थी? वैसे संभव है कि फ्रेंच कंपनियों की तरफ दी गई सफाई भारत सरकार के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं हो। इसलिए कि पिछले हफ्ते ही विशाखापत्तनम में आयोजित सीआईआई पार्टनरशिप समिट में विदेशी निवेशकों को संबोधित करते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि हम आपसे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की मांग नहीं करते, और ना ही तकनीक चुराते हैं। इसके पहले वे नीदरलैंड्स में संदेश दे चुके थे कि भारत में कर्मचारियों के काम के घंटे या दिन तय नहीं होते! यानी विदेशी निवेशकों को उनकी शर्तों पर लुभाना फिलहाल भारत सरकार की प्राथमिकता है। निवेश के डॉलर से व्यापार घाटे की भरपाई और कुछ नौकरियां पैदा होने के लक्ष्य से वह संतुष्ट है। लेकिन दीर्घकालिक एवं आत्म-निर्भर विकास के नजरिए से यह भारतवासियों की प्राथमिकता नहीं हो सकती। इसलिए फ्रेंच कंपनियों का स्पष्टीकरण उनकी नजर में बड़ा मुद्दा होना चाहिए।

भारत जापान की नई रणनीतिक धूरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा

- ललित गर्ग



19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चैथी भारत-जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत-जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति-संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना-साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा-तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है। जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग-अलग विषय नहीं हैं। आज भारत जिस देश से रक्षा तकनीक लेता है, उसके साथ व्यापार बढ़ाता है। जहां निवेश आकर्षित करता है, वहां भारतीय उद्योग के लिए बाजार भी खोजता है और जहां रणनीतिक सहयोग करता है, वहां भारतीय प्रतिभा, तकनीक और संस्कृति की प्रतिष्ठा भी स्थापित करता है। यही विदेश नीति को आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ने की नई भारतीय शैली है।

19 नवंबर को ही नई दिल्ली में फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के सामने इसी दृष्टि को अत्यंत स्पष्टता से रखा। फिक्की का सम्मेलन 'भारत 2047' की थीम पर हुआ और इसमें उद्योग जगत, राजनयिकों, नीति-निर्माताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उद्योग से कहा कि अगले 20 वर्षों के प्रत्येक दीर्घकालिक निवेश निर्णय का आधार 'इंडिया फर्स्ट' होना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का विशाल घरेलू बाजार उद्योग का 'कम्फर्ट जोन' नहीं बनना चाहिए, बल्कि वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा का आत्मविश्वास पैदा करने वाला आधार बनना चाहिए। यहीं टोक्यो की 2+2 बैठक और फिक्की के मंच का अद्भुत संबंध दिखाई देता है। एक ओर राजनाथ सिंह और जयशंकर भारत की सुरक्षा और कूटनीतिक शक्ति को विश्व में विस्तार दे रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारतीय उद्योग को विश्व बाजार में उतरने का आह्वान कर रहे हैं। अर्थात् भारत की विदेश नीति का अगला चरण केवल 'भारत के लिए दुनिया' नहीं, बल्कि 'दुनिया के लिए भारत' बनाने का चरण है।

प्रधानमंत्री का संदेश केवल उद्योगपतियों के लिए नहीं है। विकसित भारत का निर्माण सरकार अकेले नहीं कर सकती। सरकार दिशा और वातावरण तैयार कर सकती है, लेकिन आर्थिक शक्ति उद्योग पैदा करता है, नवाचार युवा पैदा करते हैं, उत्कृष्टता वैज्ञानिक और पेशेवर पैदा करते हैं तथा भारत की प्रतिष्ठा सामान्य नागरिक के व्यवहार से भी बनती है। इसलिए आज आवश्यकता है कि भारतीय उद्योगपति केवल भारत में सफल होने की मानसिकता से आगे बढ़कर विश्व बाजारों में भारतीय ब्रांड की पहचान स्थापित करें। प्रधानमंत्री ने फिक्की में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को समझने, स्थानीय बाजारों के अनुरूप उत्पाद बनाने, वैश्विक मानकों को अपनाने और मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित करने पर विशेष जोर दिया। यह संदेश भारतीय उद्योग के लिए आर्थिक नीति से अधिक राष्ट्रीय दायित्व का संदेश है। इसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का योगदान भी महत्वपूर्ण है। एक भारतीय जब ईमानदारी से अपना कार्य करता है, कानून का सम्मान करता है, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करता है, स्वच्छता और अनुशासन अपनाता है, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देता है और दुनिया के सामने भारत की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करता है, तब वह अनजाने में भारत की 'सॉफ्ट पावर' को मजबूत करता है।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए उत्साह और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। कारोबारियों को धन लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे और साझेदारी में शुरू किया गया काम भी फायदा दे सकता है।

वृष राशि: आज आपके जीवन में कोई सुखद बदलाव दस्तक दे सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़े काम करने वालों को अचानक धन लाभ मिलने के योग हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिथुन राशि : ऑफिस में दिया गया आपका कोई महत्वपूर्ण सुझाव बड़ी डील को अंतिम रूप दिला सकता है, जिससे वरिष्ठ अधिकारी आपसे प्रभावित होंगे और पदोन्नति की राह खुल सकती है।

कर्क राशि: लंबे समय से जिस विशेष काम को पूरा करने का इंतजार था, वह आज पूरा होने की संभावना है और आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

सिंह राशि: आज कई ऐसी बातें स्पष्ट हो सकती हैं जो पिछले कुछ समय से आपके मन में उलझन पैदा कर रही थीं। किसी महत्वपूर्ण काम से बड़ा फायदा मिलने के साथ कोई अधूरा काम भी पूरा हो सकता है।

कन्या राशि: आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा लेकर आएगा। कारोबारी लोगों के लिए अपनी योजनाओं को गुप्त रखना फायदेमंद रहेगा। बिना योजना की खरीदारी आर्थिक संतुलन बिगाड़ सकती है।

तुला राशि: आज भाग्य आपके पक्ष में मजबूती से खड़ा नजर आएगा। जीवनसाथी का कोई व्यवहार या काम आपको बेहद खुशी दे सकता है। किसी नए काम की शुरुआत करना शुभ परिणाम दे सकता है।

वृश्चिक राशि: आज आपकी मेहनत रंग लाएगी और किसी यात्रा से भी लाभ मिलने के संकेत हैं। अगर कहीं बाहर जा रहे हैं तो जरूरी दस्तावेज और सामान पहले से अच्छी तरह जांच लें।

धनु राशि: आज समझदारी से उठाया गया हर कदम आपके लिए लाभ का रास्ता खोल सकता है। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से अनुकूल रहेगा।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए किसी अच्छी सौगात जैसा साबित हो सकता है। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए समय अनुकूल है और योजनाओं को अमल में लाने से अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

कुंभ राशि: आज आपका मन आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर अधिक आकर्षित रहेगा और भीतर से शांति महसूस होगी। ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा और लोग आपकी बात को गंभीरता से लेंगे।

मीन राशि: आज का दिन खुशियों और मानसिक संतोष से भरा रह सकता है। स्वास्थ्य पहले की तुलना में बेहतर रहेगा और कॉलेज या कार्यस्थल पर दोस्तों के साथ हंसी-मजाक का माहौल बना रहेगा।

मोदी की तारीफ में ट्रंप के कसीदे

- राकेश अचल



अमेरिका में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गाँधी की टिप्पणियों से आहत सरकार और सरकारी पार्टी के लिए अब खुशियाँ मनाने का समय है क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शान में जो कसीदे पढे हैं वे किसी भी देश के नागरिक सम्मान से कम नहीं हैं.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की कम ब्याज दरों और 7 फीसदी आर्थिक ग्रोथ की तारीफ की है. ट्रंप का कहना है कि अगर अमेरिका भी इसी तरह की अप्रोच अपनाए, तो उसकी जीडीपी ग्रोथ रेट 20 फीसदी तक पहुंच सकती है.हाल ही में अपने एशिया दौरे से लौटने के बाद पहली सार्वजनिक टिप्पणी में ट्रंप ने यूएस फेडरल रिजर्व को निशाने पर लिया. उन्होंने फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरों को लेकर पॉलिटिकल अप्रोच अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि मजबूत इकोनॉमिक इंडिकेटर्स के बावजूद वह बॉरोइंग कॉस्ट बढ़ा रहा है.

अमेरिका मे हाल ही में हुए मध्यावधि चुनाव में करारी शिकस्त मिलने के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ मजबूरी में की या जानबूझकर की ये शोध का विषय हो सकता है,लेकिन हकीकत ये है कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ की.ये इसलि भी मायने रखती है क्योंकि अक्टूबर 2025 में व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था:' कि वे मोदी का राजनीतिक करियर बर्बाद नहीं करना चाहते.

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'ब्याज दरें बहुत ज्यादा हैं क्योंकि हमारे पास एक बेहद पॉलिटिकल फेड है. वैसे मैं चेयरमैन को ब्लेम नहीं कर रहा हूं, मैं इस बात को ब्लेम कर रहा हूं कि हमारा फेड बहुत पॉलिटिकल है.'उन्होंने तर्क दिया कि इकोनॉमिक नंबर सुधरने पर सेंट्रल बैंक को ब्याज दरें बढ़ाने के बजाय कम करनी चाहिए.

इस दौरान ट्रंप ने पूर्व फेडरल रिजर्व चेयरमैन एलन ग्रीनस्पैन का जिक्र किया और मॉनेटरी पॉलिसी के प्रति उनके नजरिए की तारीफ की.ट्रंप ने कहा, 'एलन ग्रीनस्पैन एक बेहतरीन फेड चेयरमैन थे. जब आंकड़े अच्छे होते थे, तो वे ब्याज दरें कम कर देते थे. अच्छे आंकड़ों के साथ बेहतर क्रेडिट मिलता है, लेकिन हम ठीक इसका उल्टा करते हैं.'

ट्रंप ने दावा किया कि अगर फेडरल रिजर्व उनकी पसंदीदा अप्रोच अपनाए, तो अमेरिका काफी ज्यादा इकोनॉमिक ग्रोथ हासिल कर सकता है. उन्होंने कहा, 'हमारी जीडीपी 4 फीसदी नहीं, बल्कि 15 या 20 फीसदी होगी और मैं बहुत तेजी से कर्ज चुका दूंगा...'अपने दूसरे कार्यकाल में भारत पर दनादन 100 प्रतिशत टैरिफ लादने वाले ट्रंप ने भारत का उदाहरण देते हुए यहां की अपेक्षाकृत कम ब्याज दरों की तारीफ की और उन्हें देश की आर्थिक वृद्धि से जोड़ा.ट्रंप ने कहा, 'अगर आप भारत को देखें, तो वहां ब्याज दरें कम हैं और जीडीपी 7 फीसदी है. हमारी जीडीपी 14, 15 या शायद 20 फीसदी तक हो सकती है.'

भारत में चौतरफा विपक्षी हमलों और सरका की गिरती साख से परेशान प्रधानमंत्री मोदीजी के लिए ट्रंप का ये मौखिक प्रमाणपत्र किसी राहत से कम नही. है.भाजपा अपने सेवादूतों के जरिये इस मुद्दे को लेकर पूरे देश में जा सकती है.संसद का विशेष अधिवेशन बुलाकर उसमें मोदीजी का अभिनन्दन कर सकती है.बल्कि राहुल गाँधी से भी कह सकती है कि अब डिबेट की क्या जरूरत,माय डियर फ्रेंड डोनाल्ड ट्रंप का बयान ही काफी है.

संस्कृत की एक लोकोक्ति है-' अहो रूपम,अहो ध्वनि'.ट्रंप साहब मोदी की तारीफ करें या मोदी जी ट्रंप साहब की तारीफ.मतलब इसी लोकोक्ति से समझा जा सकता है.लोकोक्ति समझ न आए तो किसी बुजुर्ग या गुरू ग्रोक से समझा जा सकता है.

एक ही खानदान में शादी का बढ़ता चलन, क्या आने वाली पीढ़ियां चुकाएंगी इसकी कीमत?

- किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक़ स्तर पर भारत की सभ्यता केवल आधुनिक तकनीक,आर्थिक प्रगति और डिजिटल क्रांति से ही परिभाषित नहीं होती, बल्कि इसकी हजारों वर्षों की सामाजिक परंपराओं पारिवारिक मर्यादाओं, रिश्तों की पवित्रता, वैवाहिक नियमों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इसकी पहचान बनती है।भारतीय समाज में विवाह को केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं,बल्कि दो परिवारों और भावी पीढ़ियों के निर्माण की महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था माना गया है।हमारे बड़े-बुजुर्गों की कहावतों धार्मिक-आध्यात्मिक प्रवचनों और पारिवारिक संस्कारों में निकट रक्त संबंधों के बीच विवाह से बचने की सलाह लंबे समय से मिलती रही है।हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि हर पुरानी परंपरा अपने आप में वैज्ञानिक प्रमाण नहीं होती और हर समुदाय की विवाह संबंधी परंपराएं एक जैसी भी नहीं हैं। आज डिजिटल युग में व्यक्तिगत स्वतंत्रता,बदलती सामाजिक मान्यताओं और विवाह के अधिकार पर व्यापक चर्चा हो रही है।इसी बीच निकट रक्त संबंधियों के बीच विवाह का प्रश्न एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में आ गया है।इसका कारण 20 नवंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट में सामने आया वह महत्वपूर्ण मामला है,जिसमें न्यायालय ने ऐसे विवाहों से पैदा होने वाले संभावित आनुवंशिक और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों पर चिंता व्यक्त की तथा कहा कि इस विषय पर कानून बनाना संसद का काम है। यह मामला केवल किसी एक परिवार,धर्म अथवा समुदाय का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, भावी पीढ़ियों, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विधायी जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ है।मामले का उपलब्ध न्यायिक विवरण इस प्रकार है चारवी एस.बनाम यूनियन ऑफ़ इंडिया,केस नंबर: डायरी संख्या 23903/2026 (डी नों 23903/2026)। सुनवाई की तारीख:20 नवंबर 2026। न्यायपीठ:भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत,न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना।

साथियों बात अगर हम 20 नवंबर 2026 की सुप्रीम कोर्ट की महत्वपूर्ण सुनवाई : मामला,याचिकाकर्ता और न्यायालय की टिप्पणी को समझने की करें तो इस पूरे विवाद का केंद्र बेंगलुरु की 20 वर्षीय दृष्टिबाधित विधि छात्रा चार्वी एस. द्वारा दायर जनहित याचिका है।याचिका में उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव को सामने रखते हुए बताया कि उनके माता-पिता करीबी रक्त संबंधी थे और उन्हें जन्मजात आनुवंशिक समस्या का सामना करना पड़ा।उनका उद्देश्य केवल अपनी व्यक्तिगत पीड़ा को न्यायालय के सामने रखना नहीं,बल्कि ऐसे विवाहों से उत्पन्न होने वाले संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति देशव्यापी जागरूकता और आवश्यक कानूनी सुरक्षा की मांग करना है।यहां एक महत्वपूर्ण तथ्यात्मक सावधानी जरूरी है।23903 /2026 को दाखिला तारीख बताना उचित नहीं होगा।यह डायरी नंबर है। इसी प्रकार 20 नवंबर की कार्रवाई को अंतिम फैसला या देशव्यापी प्रतिबंध का आदेश कहना भी गलत होगा।यह केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने और सीमित मुद्दे पर विचार करने की महत्वपूर्ण न्यायिक कार्यवाहीहै।

आपत्तिजनक हरकत

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने नेताओं के इंस्टाग्राम अकाउंट निलंबित करने का आरोप लगाते हुए मेटा के हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम के कार्यालयों में जो तोड़फोड़ और हंगामा किया, वह अराजकता का प्रदर्शन ही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मानें तो यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय प्रभारी के इंस्टाग्राम अकाउंट मनमाने ढंग से निलंबित कर दिए गए और यह काम भाजपा सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दबाव में किया गया। यह हास्यास्पद है, क्योंकि इस तरह के मामलों में जहां मेटा का यह तर्क रहता है कि वह भारत के कानूनों का पालन करती है, वहीं सरकार भी कई बार यह स्पष्ट कर चुकी है कि वह किसी अकाउंट को निलंबित करने का आदेश तब देती है, जब उससे सार्वजनिक या राष्ट्रीय सुरक्षा को हानि पहुंचाने वाली सामग्री पोस्ट की गई हो। मेटा अथवा इन जैसी कंपनियों की किसी कार्रवाई का विरोध अलग बात है, लेकिन उनके दफ्तरों में घुसकर तोड़फोड़ करना अलग बात। दुर्भाग्य से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हैदराबाद में मेटा कार्यालय के अंदर घुसकर गमले तोड़ दिए तो मुंबई में उसके कार्यालय की दीवारों पर पेंट से नारे लिखे और सुरक्षा गार्डों से हाथापाई भी की। गुरुग्राम में उन्होंने मेटा कार्यालय के गेट पर ताला जड़ दिया। इस तरह की हरकतें बहुराष्ट्रीय कंपनियों को गलत संदेश देने और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के बीच भारत की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाने वाली हैं। यदि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विरोध जताना ही था तो उसके लिए अन्य शालीन और प्रभावी तरीके अपनाए जा सकते थे। मेटा से यह पूछा जा सकता था कि उसने किन कारणों से यूथ कांग्रेस के नेताओं के अकाउंट निलंबित किए। वे अदालत का दरवाजा भी खटखटा सकते थे। भारत समेत दुनिया भर में ऐसा ही किया जाता है। कांग्रेस के उग्र कार्यकर्ताओं ने आपत्तिजनक राह पकड़ी। उन्होंने मेटा के कार्यालयों के बाहर हिंसक प्रदर्शन करने के साथ ही उसे सात दिन के अंदर निलंबित अकाउंट बहाल करने का अल्टीमेटम भी दे दिया। यह एक तरह की धमकी ही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को इतनी समझ होनी ही चाहिए कि इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स अथवा ऐसे ही अन्य डिजिटल प्लेटफार्म जिस तकनीक के तहत कार्य करते हैं, उसमें एल्गोरिदम की मुख्य भूमिका होती है और वह स्वत: कुछ शब्दों को आपत्तिजनक मानकर या तो पोस्ट हटा देता है अथवा अकाउंट ही निलंबित कर देता है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि कुछ समय पहले मेटा ने फेसबुक पर प्रधानमंत्री मोदी के एक वायरल वीडियो को कुछ घंटों के लिए सीमित कर दिया था। ऐसे में इसे कुतर्क ही कहा जाएगा कि मेटा सरकार के इशारे पर विपक्ष की आवाज दबा रही है।

उत्तर प्रदेश में बदलता चुनावी परिदृश्य

- डॉ. एके वर्मा



अगले वर्ष के आरंभ में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होंगे। यूपी चुनाव सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि मान्यता है कि दिल्ली का रास्ता यूपी से होकर जाता है। संभवत: इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी को भी 2014 में गुजरात से यूपी आना पड़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही दोबारा सत्ता में आकर इतिहास रच चुके हैं और जिस तरह उन्होंने कानून-व्यवस्था में सुधार और चहुंमुखी विकास किया है, उसने उन्हें एक 'ब्रांड' के रूप में स्थापित कर दिया है। 2029 में लोकसभा चुनाव भी हैं। अत: 2027 का विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए बहुत संवेदनशील है, क्योंकि पिछले लोकसभा चुनावों में यूपी में न केवल भाजपा की लोकसभा सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं, वरन वाराणसी में मोदी की जीत का अंतर भी 2019 के मुकाबले काफी कम रहा, जबकि मोदी ने वाराणसी में विकास के बहुत काम कराए। तो क्या बेहतर शासन, कानून-व्यवस्था, लोक कल्याण और विकास से सत्ताधारी दल को वोट नहीं मिलते?

उत्तर प्रदेश में हाल में कुछ ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएं घटी हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को प्रभावित कर सकती हैं। पहली, मुख्यमंत्री योगी के अनुसार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर में प्रदेश में 1.27 करोड़ से अधिक हिंदू मतदाताओं के नाम कटे हैं, जबकि मुस्लिम मतदाताओं के नाम 1.65 प्रतिशत बढ़े हैं। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने भी स्वीकारा कि प्रदेश में पंचायत चुनाव मतदाता-सूची के मुकाबले विधानसभा मतदाता-सूची में ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं की संख्या 2.38 करोड़ कम है, जिसकी जांच होगी और दोनों सूचियों का मिलान कर सभी वैध नागरिकों, राशन कार्ड धारकों, 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों और एसआइआर के दौरान कटे नामों को सत्यापन के बाद जुड़वाया जाएगा। यह अभियान नवंबर में शुरू हो चुका है। यदि मुख्यमंत्री योगी सही हैं तो इसका अर्थ हुआ कि यूपी की 403 सीटों पर प्रत्येक विधानसभा में औसतन 31,500 हिंदू मतदाताओं के नाम कटे हैं, जिससे चुनावों में भाजपा को नुकसान हो सकता। हालांकि यह एक औसत अनुमान ही है, क्योंकि हर विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या के समीकरण अलग-अलग होते हैं।

दूसरा, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 12 दिसंबर को अयोध्या जाने और रामलला के दर्शन करने की घोषणा की है, लेकिन यह कहकर उसे चुनावी राजनीति से जोड़ दिया कि वे अयोध्या की जनता से अपील करेंगे कि विधानसभा चुनावों में भाजपा को 'शून्य सीटें' दें। जनता जानना चाहेगी कि अयोध्या के राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के बाद उन्हें वहां जाने में लगभग तीन वर्ष क्यों लगे? चुनावों की संभावित घोषणा के करीब महीने भर पहले उन्हें रामलला के दर्शन की क्यों याद आई? प्राण-प्रतिष्ठा में न जाने का अखिलेश ने कारण दिया था कि भाजपा ने इसे राजनीतिक कार्यक्रम बना दिया है, लेकिन वे स्वयं अपनी अयोध्या यात्रा को राजनीतिक बना रहे हैं। अयोध्या के संतों ने अखिलेश से 1990 में सपा सरकार द्वारा कारसेवकों पर गोली चलवाने को लेकर माफी मांगने की मांग की है। मुस्लिम उनके यू-टर्न पर उनसे छिटक सकता है। क्या मुस्लिम इसे अखिलेश का साफ्ट हिंदुत्व मानकर बसपा या अन्य दलों की ओर जाएगा? वैसे भी 2012 में केवल 29 प्रतिशत वोट पाकर अखिलेश की सपा सरकार बनी थी और लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में 29 सीटें हारने के बाद भी भाजपा का मत-प्रतिशत 41 प्रतिशत था, जो त्रिकोणीय चुनावी-स्पर्धा में स्पष्ट बहुमत के लिए काफी है। 2014 से सबका-साथ, सबका-विकास के समावेशी संकल्प से भाजपा ने राजनीति में जनता के बीच पैठ बनाई है और समाज के सभी वर्गों को सत्ता और संगठन में प्रतिनिधित्व देकर उनका भरोसा जीता, जबकि अन्य दल अभी पूरे समाज को साथ लाने के संकल्प से दूर हैं। सपा जहां पीडीए (पिछड़े-दलित-अल्पसंख्यक), वहीं बसपा दलितों की बात करती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जो सबको साथ लेकर नहीं चलेगा, वह विजयी कैसे होगा?

तीसरी घटना के तहत एआइएमआइएम के असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के चंद्रशेखर आजाद ने मिलकर यूपी में 'सामाजिक-परिवर्तन-मोर्चा' बनाया है, जो दलित-मुस्लिम समीकरण द्वारा सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा। ओवैसी की वजह से कुछ मुस्लिम उनके प्रत्याशियों को वोट दे सकते हैं, मगर अधिकतर मुस्लिम समाज संभवत: सपा, बसपा या कांग्रेस के ऐसे प्रत्याशियों को मत देंगे, जो भाजपा को हराने में सक्षम होंगे। हालांकि कुछ मुस्लिमों को लगता है कि भाजपा के बारे में जो 'नैरेटिव' विपक्षी दलों द्वारा गढ़ा गया, वह गलत है। इसी के साथ तीन-तलाक से राहत और विकास संबंधी तमाम योजनाओं की लाभार्थी मुस्लिम-महिलाओं का भाजपा के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव आया है।

चौथा घटनाक्रम यही कि लोकसभा चुनाव की तर्ज पर विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस-सपा गठबंधन के प्रयास जारी हैं, लेकिन सपा जितनी सीटें कांग्रेस को देगी, उतनी सीटों पर उसके अपने प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य पर ग्रहण लग जाएगा। ऐसे प्रत्याशी बागी होकर नुकसान पहुंचा सकते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 399 सीटों पर लड़ी और केवल दो सीटें जीती। उसने 2.33 प्रतिशत मत प्राप्त किए। 387 सीटों पर उसकी जमानत जब्त हुई। ऐसे दल से सपा को गठबंधन क्यों करना चाहिए? कांग्रेस ने क्या किया है, जिससे लगे कि प्रदेश में उसका जनाधार बढ़ा है? सपा का जन्म डा. लोहिया द्वारा प्रोत्साहित गैर-कांग्रेसवाद की राह पर हुआ था, तो क्या सपा ने डा. लोहिया के विचारों को दरकिनार कर दिया है? वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने 'वी विल डू इट' यानी हम कर के रहेंगे से शुरुआत कर दी है। देखना है विपक्ष इससे कैसे निपटता है?

'सेवा संवाद यात्रा' के दूसरे दिन विधायक अनुज शर्मा की जनचौपाल, कारा में 15 लाख से शेड निर्माण व गोमची में 10 लाख के सामुदायिक भवन की घोषणा

धरसीवाँ। धरसीवाँ विधानसभा के लोकप्रिय विधायक अनुज शर्मा द्वारा क्षेत्र के समग्र विकास और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से निकाली जा रही ÷सेवा संवाद यात्रा÷ का दूसरा दिन आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यात्रा के दूसरे दिन विधायक ने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बेंन्द्री, कारा, बाना, गोमची, तेंदुआ और गुमा का सघन भ्रमण किया।

जनचौपाल में सुनी समस्याएं, दी 25 लाख के विकास कार्यों की सौगात

विभिन्न ग्राम पंचायतों में प्रवास के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने आम नागरिकों से सीधा संवाद किया और उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं तथा उपलब्धियों की जानकारी दी। प्रत्येक ग्राम में 'जनचौपाल' का आयोजन कर उन्होंने ग्रामीणों की पेयजल, सड़क, बिजली, राशन और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी व्यक्तिगत व सामूहिक मांगों को गंभीरता से सुना।

विधायक ने कई आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया, जबकि शेष मामलों के त्वरित और पारदर्शी समाधान के लिए संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। पहुँच के बारे में जानकारी ली।

इसी क्रम में ग्रामीणों की मांग और जनसुविधा को देखते हुए उन्होंने ग्राम कारा में 15 लाख की लागत से शेड निर्माण तथा ग्राम गोमची में 10 लाख की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की महत्वपूर्ण घोषणा की।

युवा, नारी शक्ति और श्रमिक वर्ग से विशेष संवाद 'सेवा संवाद यात्रा' के माध्यम से विधायक अनुज शर्मा ने समाज के हर वर्ग तक पहुँचने का सार्थक प्रयास कियाः नारी शक्ति संवादः विधायक ने ग्रामों में आयोजित नारी शक्ति सम्मेलन और महिला स्व-सहायता समूहों (साव) की बहनों के साथ आत्मीय संवाद किया। उन्होंने महिलाओं की समस्याओं व सुझावों को गंभीरता से सुना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया।

युवा एवं श्रमिक संवादः भ्रमण के दौरान उन्होंने गाँव के युवाओं से उनके भविष्य, रोजगार और खेलकूद की सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। साथ ही, श्रमिक बंधुओं से मुलाकात कर उनके कार्यस्थल की परिस्थितियों और श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं की उन तक



धान उपार्जन केंद्र, आंगनबाड़ी व विकास कार्यों का औचक निरीक्षण

यात्रा के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण व विकास कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ग्राम बेंद्री स्थित आंगनबाड़ी केंद्र, धान उपार्जन केंद्र, शासकीय कार्यालयों और स्कूलों का औचक निरीक्षण भी किया। उन्होंने धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ही अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने तथा जनता के प्रति पूर्ण जवाबदेही सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

÷शासन और प्रशासन को सीधे जनता के द्वार तक ले जाना ही यात्रा का उद्देश्य : अनुज शर्मा- इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने कहा, ÷आज आपके गाँव में मैं एक जनप्रतिनिधि के रूप में नहीं, बल्कि आपके परिवार के एक सदस्य, आपके बेटे और भाई के रूप में आपके बीच आया हूँ। हमारी इस 'सेवा संवाद यात्रा' का उद्देश्य केवल औपचारिकता निभाना नहीं, बल्कि शासन और प्रशासन को सीधे जनता के द्वार तक ले जाना है, ताकि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की समस्या का भी त्वरित समाधान हो सके।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷हमारी डबल इंजन की सरकार गाँव, गरीब, किसान, महिला और युवा के उत्थान के लिए पूरी तरह समर्पित है। चाहे 'महतारी वंदन योजना' के माध्यम से हमारी बहनों का सम्मान हो, 'प्रधानमंत्री आवास योजना' से हर गरीब को पक्की छत देना हो, या फिर गाँवों में सड़क, पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना हो–हम धरसीवाँ के हर गाँव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संकल्पित हैं।÷

सामाजिक समरसता, रात्रि विश्राम और सांस्कृतिक सहभागिता- सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए विधायक अनुज शर्मा ने ग्राम बाना में गाँव के प्रबुद्धजनों और समाज प्रमुखों के साथ बैठकर दोपहर का भोजन किया और क्षेत्र के विकास को लेकर उनके विचार जाने। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, उन्होंने ग्राम गुमा में सामूहिक बैठक कर संगठनात्मक और जमीनी स्तर के विषयों पर चर्चा की। इसके साथ ही, उन्होंने ग्राम पंचायत में कीर्तन मंडली के कार्यक्रम में शामिल होकर ग्रामीणों के साथ भजन-कीर्तन किया और सांस्कृतिक व धार्मिक परंपराओं में अपनी सहभागिता निभाई। दिन भर के व्यस्त कार्यक्रमों के पश्चात विधायक ने ग्राम गुमा में एक स्थानीय ग्रामीण के निवास पर रात्रि विश्राम किया।

इनकी रही प्रमुख उपस्थिति- इस संपूर्ण यात्रा के दौरान विधायक अनुज शर्मा के साथ योगेश तिवारी, संदीप यदु,शकुन्तला ढिलेन्द्र सेन,यात्रा प्रभारी अरविंद ठाकुर सहप्रभारी कृष्ण कुमार वर्मा,नरेंद्र ठाकुर, रूखमनी वर्मा,चंद्रशेखर शुक्ला,निहाल सिंह वर्मा,रश्मि वर्मा, नत्थू युद, रामखिलावन वर्मा, अशोक सिन्हा,सोहन धीवर,गोविंद साहू, सुमीत सेन,हेमंत वर्मा, मो. यूनुस खान, तिहारू सिन्हा,लता निषाद, राकेश निषाद, भागवत निषाद, जनक निषाद, विजय साहू, भोला साहू, लोचन निषाद,कैलाश साहू, छगनू राम साहू, दिलीप साहू, पितोष साहूसहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मितानिन बहनों का समर्पण और सेवा समाज के लिए प्रेरणास्रोत : पुरन्दर मिश्रा

रायपुर। मितानिन दिवस के अवसर पर आज जगन्नाथ मंदिर परिसर में रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की मितानिन बहनों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर रायपुर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने क्षेत्र की सभी मितानिन बहनों का सम्मान कर उनके सेवा, समर्पण और समाज के प्रति योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि मितानिन बहनें स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे अपने समर्पण, मेहनत और सेवाभाव से समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधाओं एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने से लेकर जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने तक उनका योगदान सराहनीय है।



उन्होंने कहा कि आप सभी बहनें जिस निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर जनसेवा के कार्यों में जुटी हैं, उसके लिए आप सभी बधाई की पात्र हैं। आपका कार्य केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रति सेवा और संवेदनशीलता का उदाहरण है।

विधायक मिश्रा ने आगे कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के विकास, जनकल्याण और आम नागरिकों तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मितानिन बहनों के सहयोग और सहभागिता से सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इसी सामूहिक प्रयास और सहभागिता से छत्तीसगढ़ विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। अंत में विधायक पुरन्दर मिश्रा ने सभी मितानिन बहनों को मितानिन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी सेवाभाव से कार्य करते रहने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर जनदर्शन में आए 17 आवेदन, समय-सीमा में निराकरण के निर्देश



बलरामपुर (जनता के गोठ) : कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं, मांगों और शिकायतों से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने हर आवेदक की बात गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनी।

जनदर्शन में कुल 17 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदन संबंधित विभागों को भेजते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा में पारदर्शी और प्रभावी निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर आवेदकों को जल्द राहत दी जाए और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से मिले।

मितानिन दिवस पर सीतापार में मितानिन दीदियों का सम्मान, सेवा और समर्पण को किया गया नमन

जनता के गोठ/ओंकार साहू

बलौदाबाजार मितानिन दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत सीतापार में मितानिन दीदियों के सम्मान में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात गांव में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने और ग्रामीणों की सेवा में निरंतर जुटी रहने वाली मितानिन दीदियों को साड़ी एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।



कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि मितानिन दीदियां ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे घर-घर पहुंचकर महिलाओं, बच्चों एवं परिवारों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करती हैं तथा जरूरत के समय लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनका सेवा, समर्पण और सहयोग समाज के लिए प्रेरणादायक है। इस अवसर पर सम्मानित होने वाली मितानिन दीदियों में श्रीमती उषा वर्मा, धनेश्वरी बांधे, सुनीता वर्मा, चंद्रिका वर्मा एवं संतोषी बर्मन शामिल रहीं।

कार्यक्रम में जनपद सभापति अंजू पटेल, सरपंच कुंती साहू, सरपंच प्रतिनिधि अकबर साहू, पंच ऋषिकांत बबलू पटेल, दिनेश वर्मा, मीडिया प्रभारी मुकेश वर्मा, अर्जुन वर्मा, प्रेमलाल साहू, तुलसी साहू, रोहित साहू, धर्मेंद्र साहू, संतू साहू, धनेश्वर साहू, लीलाधर साहू, लेखराम यदु सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

27 नवंबर को होने वाला संभाग स्तरीय विशाल रोजगार मेला स्थगित, अब दिसंबर में होगा आयोजन

बलरामपुर (जनता के गोठ) : जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, बलरामपुर द्वारा 27 नवंबर 2026 को जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज, बलरामपुर में प्रस्तावित संभाग स्तरीय विशाल रोजगार मेला अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। अब यह मेला दिसंबर 2026 में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। मेले की निश्चित तिथि और स्थान की सूचना अलग से जारी की जाएगी।

मेले में निजी क्षेत्र की 11 प्रतिष्ठित कंपनियां 1,631 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती करेंगी। इनमें नर्सिंग, केयर-टेकर, सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर, इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन, मशीन ऑपरेटर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर, टीचर और बीमा सखी जैसे पद शामिल हैं। इन पदों के लिए 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक और जीएनएम/एएनएम योग्यता निर्धारित है। इच्छुक आवेदकों को मेले से पहले ई-रोजगार पोर्टल (erojgar.cg.gov.in) या सीजी रोजगार ऐप पर ऑनलाइन पंजीयन कर संबंधित पद के लिए आवेदन करना अनिवार्य है। साक्षात्कार के दिन अभ्यर्थी सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की मूल प्रति और छायाप्रति, आधार कार्ड, रोजगार पंजीयन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो और बायोडाटा साथ लाएं। आवेदन और चयन प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय (सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक) में संपर्क नंबर 9685672368 पर संपर्क किया जा सकता है।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर विशेष चेकिंग अभियान, 253 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई

पुलिस कमिश्नरेट रायपुर द्वारा आज दिनांक 23 नवंबर 2026 को पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला के मार्गदर्शन एवं पुलिस उपायुक्त यातायात एवं प्रोटोकॉल डॉ. अर्चना झा के निर्देशन में शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं चेकिंग पॉइंट्स पर विशेष यातायात चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के अंतर्गत यातायात थाना एवं तेलीबांधा, पचपेड़ी नाका, भाटागांव, टाटीबंध, भनपुरी, पंडरी, फाफाडीह, शारदा चौक एवं कालीबाड़ी थाना क्षेत्रों में यातायात पुलिस द्वारा सघन वाहन जांच की गई।

चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट एवं नंबर प्लेट से छेड़छाड़, मॉडिफाइड साइलेंसर, ब्लैक फिल्म, दोपहिया वाहनों में तीन सवारी, खतरनाक तरीके से वाहन चलाना, प्रदूषण संबंधी नियमों का उल्लंघन, नो पार्किंग में वाहन खड़ा करना,



वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग, बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाना, चोरी के वाहन, रॉन्ग साइड वाहन चलाना, नो एंट्री में प्रवेश तथा प्रेशर हॉर्न के उपयोग जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन पर विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई।

विशेष चेकिंग अभियान के दौरान कुल 253 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई।

यातायात पुलिस की अपील

रायपुर यातायात पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि यातायात नियमों का पालन करें, वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं, नशे की स्थिति में वाहन न चलाएं, वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें तथा सड़क पर अनुशासन बनाए रखें।

यातायात नियमों का पालन केवल चालानी कार्रवाई से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं एवं दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। सड़क सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर इस प्रकार के विशेष चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि शहर में सुगम, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

सरपंच नीलम कुमार कश्यप ने मितानिन दीदियों का भव्य समारोह में किया सम्मान

भुजबल बघेल

बकावंड, जनता के गोठ। विकासखंड बकावंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोसमी में मितानिन दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम की समस्त मितानिन दीदियों को सम्मानित करते हुए स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके द्वारा किए जा रहे निस्वार्थ सेवा कार्यों की सराहना की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत की सरपंच नीलम कुमार कश्यप ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि मितानिन दीदियां गांव की असली स्वास्थ्य रक्षक हैं। गर्भवती महिलाओं की देखभाल, बच्चों का टीकाकरण, मलेरिया एवं डायरिया जैसी बीमारियों से बचाव, पोषण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में मितानिन दीदियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि जब गांव में



कोई बीमार होता है, तो सबसे पहले मितानिन दीदी ही मदद के लिए पहुंचती हैं। दिन-रात, बारिश और धूप की परवाह किए बिना घर-घर जाकर लोगों की सेवा करना उनके समर्पण और सेवाभाव को दर्शाता है। हम सभी को उनकी सेवा पर गर्व है। इस अवसर पर सभी मितानिन दीदियों को पुष्पमाला पहनाकर तथा शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। वहीं मितानिन दीदियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और गांव को स्वस्थ एवं जागरूक बनाने के लिए निरंतर सेवा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पंचगण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, महिला स्व-सहायता समूह की सदस्याएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अंत में सभी मितानिन दीदियों को मिठाई वितरित की गई। ग्राम के स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआं

महादेवघाट का ऐतिहासिक पुन्नी मेला : आस्था और लोक संस्कृति का संगम

-दिलीप साहू

छत्तीसगढ़ की समृद्ध धार्मिक आस्था, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक ऐतिहासिक पुन्नी मेला राजधानी रायपुर के महादेव घाट में एक बार फिर अपनी भव्यता बिखेरने जा रहा है। खारून नदी के पावन तट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 24 नवंबर को श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। भगवान हटकेश्वर महादेव की नगरी में आस्था की डुबकी लगाने, दीपदान करने और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए रायपुर सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

महादेव घाट का पुन्नी मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति है। यहां पीढ़ियों से चली आ रही परंपराएं आज भी उसी श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाई जाती हैं। कार्तिक पूर्णिमा की पावन बेला में खारून नदी के तट पर प्रज्वलित दीपों की जगमगाहट, मंदिरों में गूंजते मंत्रोच्चार, भगवान शिव के जयकारे और पारंपरिक मेले की चहल-पहल मिलकर ऐसा वातावरण रचते हैं, जो छत्तीसगढ़ की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को उजागर करता है।

ऐतिहासिक हटकेश्वर महादेव मंदिर से जुड़ी है मेले की गौरवशाली परंपरा

महादेव घाट स्थित प्राचीन हटकेश्वर महादेव मंदिर छत्तीसगढ़ की धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस मंदिर का संबंध कलचुरी शासनकाल से माना जाता है। प्रचलित ऐतिहासिक विवरणों और स्थानीय मान्यताओं के अनुसार मंदिर का निर्माण कलचुरी राजा ब्रह्मदेव के शासनकाल में हुआ था। कुछ विवरणों में इसका निर्माण वर्ष 1402 ईस्वी के आसपास बताया गया है, जबकि अन्य स्थानीय कथाओं में अलग-अलग तिथियों का उल्लेख मिलता है।

लोकमान्यता के अनुसार खारून नदी के किनारे भगवान शिव की आराधना और कार्तिक पूर्णिमा पर पुण्य स्नान की परंपरा लंबे समय से प्रचलित है। समय के साथ इस धार्मिक आयोजन ने विशाल मेले का स्वरूप धारण कर लिया। मंदिर की प्राचीनता, शिवभक्ति की परंपरा और खारून नदी के प्रति श्रद्धा ने महादेव घाट को रायपुर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में प्रतिष्ठित किया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर पुण्य स्नान और दीपदान का विशेष महत्व

भारतीय धार्मिक परंपराओं में कार्तिक पूर्णिमा को अत्यंत पवित्र माना गया है। इस दिन नदी में स्नान, भगवान शिव और भगवान विष्णु की आराधना, दीपदान तथा दान-पुण्य का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र जल में स्नान करने और दीपदान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।

महादेव घाट में श्रद्धालु प्रातःकाल खारून नदी में स्नान कर भगवान हटकेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते हैं। मंदिर में बेलपत्र, पुष्प और जल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य तथा प्रदेश की खुशहाली की कामना की जाती है। नदी के किनारे दीप प्रज्वलित करने की परंपरा इस आयोजन को विशेष आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान करती है।

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन का उत्सव

पुन्नी मेला छत्तीसगढ़ की उस विशिष्ट सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है, जिसमें धार्मिक आस्था और



लोकजीवन एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं। प्रदेश में धान की कटाई के आसपास का समय ग्रामीण उत्सवों, मेलों और मड़ई की परंपराओं से भी जुड़ा रहा है। कृषि प्रधान समाज में यह समय सामूहिक उल्लास, पारिवारिक मिलन और सामाजिक सहभागिता का अवसर बनता है।

महादेव घाट का मेला भी इसी लोकजीवन की झलक प्रस्तुत करता है। पारंपरिक खानपान, खिलौनों, श्रृंगार सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुओं और विभिन्न प्रकार की दुकानों से मेला परिसर गुलजार रहता है। बच्चों के लिए झूले और मनोरंजन के साधन आकर्षण का केंद्र बनते हैं। परिवारों के लिए यह आयोजन धार्मिक दर्शन के साथ सामूहिक आनंद का भी अवसर होता है।

मेले की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें ग्रामीण और शहरी संस्कृति का सुंदर मेल दिखाई देता है। आधुनिक राजधानी के बीच यह आयोजन आज भी छत्तीसगढ़ की परंपरागत जीवनशैली, सामूहिकता और सांस्कृतिक मूल्यों को जीवित रखे हुए है।

धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से महादेव घाट का विशेष महत्व

महादेव घाट राजधानी रायपुर के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में शामिल है। प्राचीन हटकेश्वर महादेव मंदिर, खारून नदी का प्राकृतिक परिवेश, घाटों की सुंदरता और आसपास विकसित मनोरंजन सुविधाएं इसे धार्मिक श्रद्धालुओं के साथ पर्यटकों के लिए भी आकर्षक बनाती हैं।

यहां स्थित लक्ष्मण झूला, नदी के तट पर विकसित उद्यान और भगवान शिव की विशाल प्रतिमा भी पर्यटकों को आकर्षित करती है। धार्मिक आस्था के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का यह संगम महादेव घाट को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। महादेव घाट जैसे ऐतिहासिक स्थलों की सांस्कृतिक पहचान को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने से स्थानीय पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल सकता है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से प्रदेश की परंपरागत धार्मिक विरासत से नई पीढ़ी को परिचित कराने का अवसर भी मिलता है।

स्थानीय व्यापार और रोजगार को भी मिलता है प्रोत्साहन

पुन्नी मेला स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर है। मेले में लगने वाली छोटी-बड़ी दुकानों, पारंपरिक खाद्य पदार्थों, पूजा सामग्री, खिलौनों, हस्तनिर्मित वस्तुओं और अन्य उत्पादों की बिक्री से स्थानीय व्यापारियों तथा छोटे व्यवसायियों को लाभ मिलता है।

विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले छोटे व्यापारी और विक्रेता ऐसे आयोजनों में अपनी वस्तुओं का विक्रय करते हैं। इस प्रकार पुन्नी मेला धार्मिक आस्था के साथ आर्थिक गतिविधियों और स्थानीय आजीविका को भी प्रोत्साहित करता है।

पीढ़ियों को जोड़ने वाली सांस्कृतिक धरोहर

महादेव घाट का पुन्नी मेला छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है। बदलते समय और आधुनिक जीवनशैली के बीच भी यह आयोजन अपनी पारंपरिक पहचान बनाए हुए है। यहां बुजुर्ग अपनी धार्मिक मान्यताओं और स्मृतियों के साथ पहुंचते हैं, वहीं बच्चे और युवा अपनी संस्कृति तथा लोक परंपराओं से परिचित होते हैं।

यह मेला केवल एक दिन का धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि पीढ़ियों को जोड़ने वाला सांस्कृतिक सेतु है। यहां आस्था के साथ अपनत्व, परंपरा के साथ उत्साह और धार्मिक भावना के साथ सामाजिक समरसता का सुंदर दृश्य देखने को मिलता है। कार्तिक पूर्णिमा पर खारून नदी के तट पर लगने वाला पुन्नी मेला एक बार फिर यह संदेश देगा कि छत्तीसगढ़ की वास्तविक सांस्कृतिक शक्ति उसकी लोक परंपराओं, धार्मिक आस्थाओं और सामूहिक उत्सवों में निहित है। भगवान हटकेश्वर महादेव के पावन सान्निध्य में आयोजित यह ऐतिहासिक मेला प्रदेश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ियों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बना हुआ है।

बीजापुर में शिक्षा व्यवस्था की खुली पोल: सालभर में गिनती के दिन स्कूल आते हैं गुरुजी, 5 हजार के एवजी शिक्षिका के भरोसे बच्चों का भविष्य!

2022 से पदस्थ सहायक शिक्षक अमोल सिंह एंड्रिक पर ग्रामीणों ने लगाए स्कूल से नदारद रहने के आरोप, जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने दिए विभागीय जांच के निर्देश

प्रेम कुमार दुर्गम ब्यूरो प्रमुख बीजापुर बस्तर

बीजापुर। जिले के अंदरूनी इलाकों में सरकारी शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत एक बार फिर सवालों के घेरे में है। यहां एक सरकारी स्कूल में पदस्थ नियमित शिक्षक पर खुद स्कूल नहीं आने और अपनी जगह एक युवती को एवजी शिक्षिका के रूप में रखकर बच्चों की पढ़ाई करवाने के आरोप लगे हैं। ग्रामीणों की शिकायत के बाद मामला सामने आने पर जिला शिक्षा अधिकारी (डीएचई) राजेश कुमार पाण्डेय ने इसे गंभीरता से लेते हुए विभागीय जांच कराने और दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही है।

2022 से पदस्थ शिक्षक पर स्कूल नहीं आने का आरोप

ग्रामीणों के अनुसार, संबंधित स्कूल में वर्ष 2022 से सहायक शिक्षक अमोल सिंह एंड्रिक पदस्थ हैं। आरोप है कि शिक्षक नियमित रूप से स्कूल नहीं पहुंचते और महीने-दो महीने में कभी एकाध बार ही स्कूल आते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल पहुंचने के बाद भी वे कुछ देर बैठकर मोबाइल पर बात करते हैं और वापस लौट जाते हैं।

ग्रामीणों ने स्कूल संचालन की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि स्कूल खुलने और बंद होने का कोई निश्चित समय नहीं है। कभी स्कूल सुबह 11 बजे खुलता है तो कभी दोपहर 1 से 2 बजे के बीच ही बंद हो जाता है। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की बात ग्रामीणों द्वारा कही जा रही है।

एक साल से एवजी शिक्षिका के भरोसे चल रही पढ़ाई

स्कूल में बच्चों को पढ़ा रही चेरकंठी निवासी युवती शांति मोडियाम ने बताया कि वह पिछले एक साल से अधिक समय से स्कूल में बच्चों को पढ़ा रही हैं। उनके अनुसार, स्कूल में पदस्थ नियमित शिक्षक केवल 15 अगस्त, 26 जनवरी या कभी-कभार ही स्कूल पहुंचते हैं। इसके बदले उन्हें 5 हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं।

वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षक युवती को भी नियमित भुगतान नहीं करते और साल में कभी एकाध बार ही 3 से 5 हजार रुपये देते हैं। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि शिक्षक ने अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए बिना उनकी सहमति के युवती को स्कूल में पढ़ाने के लिए रखा था।



शिक्षक ने बाढ़ और स्वास्थ्य कारणों का दिया हवाला

दूसरी ओर, शिक्षक अमोल सिंह एंड्रिक ने स्कूल नहीं पहुंच पाने के पीछे बारिश के दौरान नदी में बाढ़ और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हवाला दिया है। उनका कहना है कि ग्रामीणों की सहमति से 12वीं पास युवती को बच्चों को पढ़ाने के लिए रखा गया था। हालांकि, ग्रामीणों ने शिक्षक के इस दावे को खारिज किया है।

जिला शिक्षा अधिकारी बोले- एवजी शिक्षक रखने का कोई प्रावधान नहीं, होगी जांच

मामले में जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने स्पष्ट किया कि विभाग में किसी नियमित शिक्षक द्वारा अपनी जगह किसी अन्य व्यक्ति को एवजी शिक्षक के रूप में रखने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा किया गया है तो यह नियम विरुद्ध है।

जिला शिक्षा अधिकारी के मुताबिक, किसी स्कूल में शिक्षक की कमी होने पर विभागीय प्रक्रिया के तहत ही 'शिक्षा दूत' या 'शिक्षा मित्र' की नियुक्ति की जाती है। संबंधित स्कूल में इस तरह की कोई नियुक्ति हुई है या नहीं, इसकी भी जांच कराई जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरे मामले की विभागीय जांच होगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अब जांच पर टिकी ग्रामीणों की उम्मीदें

इस पूरे मामले ने अंदरूनी क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों की निगरानी और शिक्षकों की नियमित उपस्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों की मांग है कि स्कूल में नियमित शिक्षक की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो। अब देखना होगा कि विभागीय जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई की जाती है।

रायपुर में चोरी, ऑनलाइन ठगी और मारपीट के पांच मामले दर्ज, 1.95 लाख की ऑनलाइन धोखाधड़ी

रायपुर। राजधानी में चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी और मारपीट की घटनाओं के पांच मामले अलग-अलग थानों में दर्ज किए गए हैं। टिकरापारा क्षेत्र में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने नकदी और घरेलू सामान चोरी कर लिया। वहीं सिविल लाइन क्षेत्र में एक व्यक्ति के बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से करीब 1.95 लाख रुपये निकालकर धोखाधड़ी की गई। इसके अलावा मोवा में उधार के पैसों के लेन-देन को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट और तोड़फोड़ की घटना सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, टिकरापारा थाना क्षेत्र के भाठापारा देवपुरी निवासी रिखबचंद्र नौरंग के सूने मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। 14 नवंबर की शाम मकान का ताला तोड़कर आरोपी अंदर घुसे और एक एलईडी टीवी, गैस सिलेंडर तथा आलमारी में रखे 1 लाख 20 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान और नकदी की कुल कीमत करीब 1 लाख 30 हजार रुपये बताई गई है। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

इसी तरह सिविल लाइन थाना क्षेत्र में ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। जल विहार चौक के नाल रोड निवासी किशोर सोनी ने शिकायत की है कि अज्ञात व्यक्ति ने उनके बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से 1 लाख 95 हजार 3 रुपये निकाल लिए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

उधर, मोवा थाना क्षेत्र के सुंदरी पारा में उधार के पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद के बाद मारपीट के दो मामले दर्ज हुए हैं। पहली शिकायत कुमारी लाला छुरा ने की है। आरोप है कि 21 नवंबर को राजकुमार गोयल और एक अन्य व्यक्ति ने पैसों के विवाद में गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर चोट पहुंचाई। दूसरी ओर राजकुमार गोयल ने भी शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि कुमारी लाला छुरा और एक अन्य व्यक्ति ने विवाद के दौरान गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ-मुक्कों तथा डंडे से मारपीट की। साथ ही उनकी दुकान के कांच में तोड़फोड़ की। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों पर अलग-अलग अपराध दर्ज किए हैं। वहीं आजाद चौक थाना क्षेत्र में समता कॉलोनी स्थित हनुमान इस्पात कंपनी के सामने खड़ी एक्टिवा चोरी हो गई।

हर विद्यालय में प्रहरी क्लब बनाकर विद्यार्थियों को नशे के प्रति जागरूक करें: जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन

कोरबा। विद्यालयों में बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और उन्हें सुरक्षित वातावरण देने के उद्देश्य से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री टी. पी. उपाध्याय, जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी और विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यालय में प्रहरी क्लब गठित कर नशामुक्ति अभियान को नियमित रूप से संचालित किया जाए। शिक्षक विद्यार्थियों से संवाद करें और उन्हें तंबाकू तथा अन्य नशीले पदार्थों के स्वास्थ्य और भविष्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव समझाएँ। उन्होंने कहा कि इस अभियान में पालकों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए, ताकि बच्चों को विद्यालय के साथ घर और आसपास भी सहयोगी वातावरण मिले।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग ने तंबाकू नियंत्रण से संबंधित कोटपा अधिनियम तथा बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण देने वाले पॉक्सो अधिनियम की जानकारी दी। आबकारी विभाग ने नशीले पदार्थों की बिक्री की रोकथाम से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन दिया। स्वास्थ्य विभाग ने नशे से होने वाली शारीरिक और मानसिक हानि के बारे में बताया। पुलिस विभाग और साइबर सेल ने बच्चों की सुरक्षा, मोबाइल के उपयोग में सावधानी तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपाय साझा किए।

श्री जैन ने प्राचार्यों को निर्देशित किया कि वे विद्यालय परिसर और उसके आसपास तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन तथा बिक्री की रोकथाम के प्रति सतर्क रहें। विद्यार्थियों के लिए रैली, शपथ, पोस्टर निर्माण, भाषण प्रतियोगिता और संवाद जैसी गतिविधियाँ आयोजित करें। इन कार्यक्रमों में बच्चों को अपनी बात कहने और किसी समस्या पर शिक्षक या पालक से सहायता माँगने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए।

बैठक में अधिकारियों ने संबंधित कानूनी प्रावधानों और उल्लंघन पर होने वाली कार्रवाई की जानकारी दी। सभी विभागों से समन्वय के साथ कार्य करने को कहा गया, ताकि विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, अपनी सुरक्षा करने और जिम्मेदार निर्णय लेने के लिए लगातार जागरूक किया जा सके।

हनुमान वाटिका के सामने छुरा लहराकर लोगों को दी जान से मारने की धमकी, आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा। शहर में सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लहराकर लोगों को डराने-धमकाने का मामला सामने आया है। हनुमान वाटिका के सामने हाथ में लोहे का छुरा लेकर राहगीरों और वहां मौजूद लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहे एक युवक को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 11 इंच लंबा धारदार छुरा जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 22 नवंबर को सिटी कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि हनुमान वाटिका के सामने एक व्यक्ति लोहे का धारदार छुरा हवा में लहराकर लोगों को धमका रहा है। इससे मौके पर मौजूद लोगों और राहगीरों में दहशत का माहौल बन गया था। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक लालजी सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपी की पहचान नंदू यादव (35 वर्ष), पिता गोवर्धन यादव, निवासी वार्ड क्रमांक 10, राजमहल चौक, कवर्धा के रूप में



हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से लोहे का एक धारदार छुरा बरामद किया गया। इसकी कुल लंबाई मुठ सहित करीब 11 इंच थी। पुलिस ने हथियार जब्त कर आरोपी से वैध लाइसेंस मांगा, लेकिन वह कोई अनुज्ञा पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 556/2026 के तहत धारा 25 और 27 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार और अमित कुमार पटेल सहित वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन रहा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर हथियारों का प्रदर्शन कर भय फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

छोटी बहन का शव लेकर पहुंचे माता-पिता.. फंदे पर मिली 10 साल की बेटी, सदमा नहीं सह सकी

कोरबा। ढाई माह की छोटी बहन की मौत का सदमा दस वर्षीय रूपकुंवर सह नहीं सकी। माता-पिता मेडिकल कालेज अस्पताल से मासूम रानी का शव लेकर घर पहुंचे तो बड़ी बेटी कमरे में फंदे पर लटकी मिली। पास ही साढ़े तीन साल की मंझली बहन रागिनी बैठी थी। एक ही दिन में दो बेटियों को खोने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना बांगो थाना क्षेत्र के ग्राम आमाटिकरा की है। ग्राम आमाटिकरा निवासी सुखीराम रोजी-मजदूरी कर पत्नी और तीन बेटियों का पालन-पोषण करता है। परिवार में दस वर्षीय रूपकुंवर, साढ़े तीन वर्षीय रागिनी और ढाई माह की रानी थी। पिछले कुछ दिनों से रानी सर्दी, खांसी और बुखार से पीड़ित थी। स्वजन पहले उसे स्थानीय अस्पताल और फिर पोंड़ी उपरोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर गुरुवार रात उसे मेडिकल कालेज अस्पताल कोरबा रेफर किया गया। पूरी रात उपचार के बाद भी उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और शुक्रवार सुबह उसने दम तोड़ दिया।

मासूम रानी की मौत के बाद पिता ने फोन पर घर में इसकी सूचना दी थी। छोटी बहन से बेहद स्नेह करने वाली रूपकुंवर को भी इसकी भनक लग गई। इधर, दुखी माता-पिता मुक्तांजलि वाहन से रानी का शव लेकर घर पहुंचे। जैसे ही उन्होंने घर में कदम रखा, उनकी चीख निकल गई। कमरे में रूपकुंवर फंदे पर लटकी हुई थी। पास ही मंझली बहन रागिनी बैठी थी। स्वजन ने मुक्तांजलि वाहन चालक सुरेश कुमार की मदद से रूपकुंवर को नीचे उतारा और पोंड़ी उपरोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की पूछताछ में रूपकुंवर के छोटी बहन से गहरे लगाव की बात सामने आई है। आशंका जताई जा रही है कि रानी की मौत की खबर से वह गहरे सदमे में आ गई थी। हालांकि घटना के वास्तविक कारणों की पुलिस जांच कर रही है। एक ही परिवार की दो मासूम बेटियों की मौत से ग्राम आमाटिकरा में मातम पसरा हुआ है। सूचना पर बांगो पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आवश्यक कार्रवाई के बाद रूपकुंवर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। देर शाम तक पोस्टमार्टम नहीं हो पाने से स्वजन शव मिलने की प्रतीक्षा करते रहे। आखिरकार उन्हें बिना शव के ही घर लौटना पड़ा। अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस की लिखा-पढ़ी में देरी को पोस्टमार्टम नहीं होने की वजह बताया।

जिला मेडिकल कालेज अस्पताल के मनोरोग विशेषज्ञ अंकित गुप्ता का कहना है कि आमतौर पर किसी आकस्मिक और अप्रिय घटना की खबर मिलने पर मानसिक आघात पहुंचता है। मनोविज्ञान में इसे एक्यूट स्ट्रेस रिएक्शन या शोक से जुड़ी प्रतिक्रिया को एक्यूट ग्रीफ रिएक्शन कहा जाता है। रिश्तों में गहरे लगाव के कारण ऐसी स्थिति स्वाभाविक है। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित रील्स का भी बच्चों पर गहरा असर पड़ रहा है।

बेटे की शादी के लिए रखा नौ बोरी चावल हाथियों ने किया चट, घर छोड़ जंगल में रात गुजार रहे ग्रामीण

हाथियों का आतंक: मकानों में तोड़फोड़ के साथ अब घरों में रखे अनाज को बना रहे निशाना, एक महीने में तीन लोगों की मौत से दहशत

कवर्धा। कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्रों में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाथियों का दल अब मकानों और फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ ग्रामीणों के घरों में घुसकर अनाज और खाद्य सामग्री को भी अपना आहार बना रहा है। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीणों को अपनी जान बचाने के लिए घर छोड़कर जंगल में रात गुजारनी पड़ रही है। ताजा मामला तरेगांव वन परिक्षेत्र के दातिरेवार, बाकी, भूरसीपकरी और केसमर्दा गांव का है, जहां रविवार रात चार हाथियों के दल ने जमकर उत्पात मचाया।



हाथियों ने बैगा आदिवासियों के मकानों की दीवारें तोड़ दीं और घरों में रखा अनाज खाकर बर्बाद कर दिया। दातिरेवार निवासी बुधराम बैगा का परिवार रात में भोजन करने बैठा था, तभी अचानक चार हाथियों का दल घर के पास पहुंच गया। जान बचाने के लिए पूरा परिवार घर छोड़कर जंगल की ओर भागा और पूरी रात वहीं छिपकर गुजारी। सुबह लौटने पर घर का नजारा देखकर परिवार के होश उड़ गए। हाथियों ने मकान की दीवार तोड़ दी थी और घर में रखा राशन बिखेर दिया था। सबसे बड़ी बात यह है कि बेटे की शादी की तैयारी के लिए परिवार ने नौ बोरी चावल सहित अन्य खाद्य सामग्री जुटाकर रखी थी, जिसे हाथियों ने खाकर और बर्बाद कर दिया। इसी रात हाथियों ने भूरसीपकरी में भी तीन मकानों को नुकसान पहुंचाया। वन विभाग की टीम ने प्रभावित गांवों में पहुंचकर नुकसान का सर्वे किया और मुआवजा प्रकरण तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है।

एक हाथी बना जानलेवा खतरा- दूसरी ओर बोड़ला ब्लॉक मुख्यालय के करीब छिरपानी गांव के आसपास एक अकेला हाथी विचरण कर रहा है। बताया जा रहा है कि इसी हाथी के हमले में एक महीने के भीतर तीन लोगों की मौत हो चुकी है। कई ग्रामीण भी घायल हो चुके हैं। सप्ताहभर पहले चार हाथियों के दल ने एक महिला को कुचलकर मार डाला था। लगातार मौतों और तबाही के बीच ग्रामीणों के सामने अब सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर कब उन्हें हाथियों के इस आतंक से राहत मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

दर्री थाना से डैम तक वाहनों की लगी लंबी कतार, बालको -रूमगढ़ा और गेरवाघाट पुल में भी लगी जाम, लोगों की बढ़ी परेशानी

कोरबा। की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के दावे एक बार फिर सड़कों पर दम तोड़ते नजर आए। दर्री थाना से लेकर डैम तक वाहनों की लंबी कतार लग गई, तो दूसरी ओर बालको-रूमगढ़ा मार्ग और गेरवाघाट पुल पर भी जाम के हालात ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। शहर के अलग-अलग प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव ऐसा बढ़ा कि राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दर्री थाना से डैम तक गाड़ियों का ऐसा रेला लगा कि वाहन चालक रेंगते हुए आगे बढ़ने को मजबूर रहे। यही हाल बालको-रूमगढ़ा मार्ग का भी रहा, जहां वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। गेरवाघाट पुल पर भी जाम ने आवागमन की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। एक साथ कई प्रमुख मार्गों पर यातायात का बिगड़ा हाल देखकर व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। हालात ऐसे बन गए कि मिनटों का सफर तय करने में लोगों को लंबा वक्त लगने लगा। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के साथ आम राहगीर भी जाम में फंसकर हलकान होते रहे। सवाल यह है कि जब शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की कतारें लग रही थीं, तब यातायात नियंत्रण की जिम्मेदारी संभालने वाला अमला आखिर कर क्या रहा था? दर्री थाना से डैम, बालको-रूमगढ़ा मार्ग और गेरवाघाट पुल पर जाम के हालात ने यातायात प्रबंधन की तैयारियों की पोल खोल दी। क्या इन मार्गों पर यातायात का दबाव विभाग को नजर नहीं आता? क्या ट्रैफिक व्यवस्था केवल चालान काटने और कार्रवाई के आंकड़े दिखाने तक सीमित रह गई है? दर्री से लेकर बालको और गेरवाघाट तक जाम में फंसे लोगों का समय और धैर्य दोनों जवाब देने लगे। नौकरीपेशा लोग, स्थानीय नागरिक और जरूरी काम से निकले राहगीर परेशान होते रहे। सबसे बड़ा सवाल आपातकालीन सेवाओं को लेकर है। यदि इसी दौरान एंबुलेंस या कोई अन्य जरूरी वाहन जाम में फंस जाए तो उसे रास्ता कौन देगा? शहर की सड़कों पर जाम अब आम लोगों की नियति बनता जा रहा है। ऐसे में यातायात विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को दफ्तरों से बाहर निकलकर सड़कों की हकीकत भी देखनी चाहिए। केवल कागजों पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त होने से सड़क पर लगने वाला जाम खत्म नहीं होगा।

ऑनलाइन लूडो गेम से हुई दोस्ती: युवती को लेकर अहमदाबाद पहुंचा युवक, 4 दिन बाद जयपुर में मिली लापता युवती

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में ऑनलाइन लूडो गेम के जरिए हुई दोस्ती के बाद 24 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि अहमदाबाद निवासी एक युवक युवती से मिलने कोरबा पहुंचा और उसे अपने साथ लेकर चला गया। परिजनों की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने साइबर सेल की मदद से युवती की तलाश शुरू की। आखिरकार चार दिन बाद पुलिस ने उसे राजस्थान की राजधानी जयपुर से बरामद कर लिया। युवती के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली। परिजनों के मुताबिक, युवती मोबाइल पर ऑनलाइन लूडो गेम खेलती थी। इसी दौरान उसकी पहचान अहमदाबाद के रहने वाले एक युवक से हुई। शुरुआत में दोनों के बीच गेम के दौरान बातचीत होती थी, लेकिन धीरे-धीरे संपर्क बढ़ने लगा। आरोप है कि युवक युवती से मिलने अहमदाबाद से कोरबा आया और उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। परिजनों ने बताया कि युवती की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। वह अपने पास मोबाइल फोन भी नहीं रखती थी। आरोप है कि युवक ने उसकी स्थिति का फायदा उठाया और उसे अपने साथ लेकर चला गया। युवती के अचानक घर से लापता होने के बाद परिवार के लोगों ने आसपास और संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने कोतवाली थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए युवती की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि युवती की पहचान ऑनलाइन लूडो गेम के माध्यम से अहमदाबाद निवासी युवक से हुई थी। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने साइबर सेल की मदद से तकनीकी जानकारी जुटाई और युवती की लोकेशन का पता लगाया। पुलिस की टीम ने चार दिन की तलाश के बाद राजस्थान के जयपुर से युवती को बरामद कर लिया। इसके बाद उसे सकुशल कोरबा लाया गया और परिजनों के सुपुर्द किया गया। परिजनों के मुताबिक, युवक युवती को अपने साथ ले जाने के बाद ठीक से खाना-पीना भी नहीं दे रहा था। इतना ही नहीं, आरोप है कि युवती के पैर में पहनी चांदी की पायल भी बेच दी गई।

शराब और चखने के साथ होटल में जुआ खेलते 5 लोग पकड़ाए, 18,800 रुपए जब्त

कोरबा। कोरबा शहर के बीच स्थित जेबी होटल में जुआ खेलते 5 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, होटल के कमरे में शराब और चखने के साथ जुआ चल रहा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 18 हजार 800 रुपए जब्त किए। आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

कोतवाली थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि, होटल में जुआ खेले जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने छापा मारा और पांच लोगों को पकड़ लिया। उनके पास से जुए की रकम 18 हजार 800 रुपए बरामद हुई।

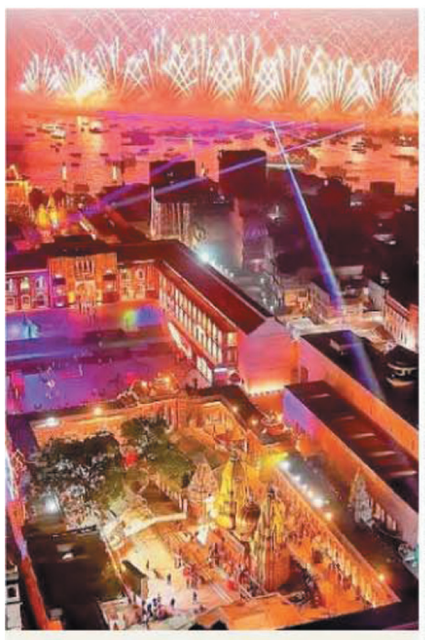

कार्तिक पूर्णिमा के दिन क्या करें और क्या नहीं

हिंदू धर्म में कार्तिक पूर्णिमा का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। कार्तिक महीने की पूर्णिमा को देव दीपावली के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गंगा स्नान, दीपदान, भगवान विष्णु की पूजा और जरूरतमंदों को दान करने की परंपरा है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धा के साथ किए गए धार्मिक कार्यों से पुण्य की प्राप्ति होती है। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल रहता है कि इस दिन कौन-से काम करने चाहिए और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

कार्तिक पूर्णिमा पर सुबह स्नान करना माना जाता है शुभ

कार्तिक पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करने की परंपरा है। इस दिन गंगा या किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान करना विशेष महत्व रखता है। हालांकि, जो लोग नदी तक नहीं जा सकते, वे घर पर ही स्नान करके भगवान का स्मरण कर सकते हैं। स्नान के बाद सूर्य देव को जल अर्पित करना और अपनी श्रद्धा के अनुसार पूजा करना शुभ माना जाता है।

भगवान विष्णु की पूजा और मंत्र जाप करें

इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने की परंपरा है। सुबह स्नान के बाद घर के मंदिर की सफाई करें और भगवान को फूल, फल तथा नैवेद्य अर्पित करें। अपनी श्रद्धा के अनुसार विष्णु मंत्रों का जाप या सत्यनारायण भगवान की कथा का पाठ भी कर सकते हैं। इससे घर में भक्तिमय वातावरण बनता है।

जरूरतमंदों को दान करें

कार्तिक पूर्णिमा पर अन्न, वस्त्र, फल और अन्य उपयोगी वस्तुओं का दान करना अच्छा माना जाता है। आप अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन करा सकते हैं या उसकी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। दान में दिखावे के बजाय सेवा और सहयोग का भाव रखना चाहिए।

कार्तिक पूर्णिमा पर किन बातों से बचें

इस दिन पूजा-पाठ के दौरान स्वच्छता का ध्यान रखें। किसी के प्रति अपशब्द बोलने, विवाद करने और दूसरों को दुख पहुंचाने से बचें। दान अपनी क्षमता के अनुसार ही करें और किसी धार्मिक परंपरा को लेकर दूसरों पर दबाव न बनाएं। इसके अलावा, नदी या तालाब में स्नान करते समय सुरक्षा का ध्यान रखें। इस तरह श्रद्धा, संयम और अच्छे व्यवहार के साथ कार्तिक पूर्णिमा का पर्व मनाया जा सकता है।



कार्तिक पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के संग चंद्र देव की उपासना करने का विधान

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा कार्तिक पूर्णिमा कहलाती है। कार्तिक पूर्णिमा इस वर्ष 24 नवंबर को मनाई जा रही है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार कार्तिक महीने की पूर्णिमा को त्रिपुरी पूर्णिमा, कार्तिक पूर्णिमा और गंगा स्नान के नाम से भी जाना जाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार साल का 8वां महीना कार्तिक महीना होता है।

- प्रत्येक वर्ष पंद्रह पूर्णिमाएं होती हैं। जब अधिकमास या मलमास आता है तब इनकी संख्या बढ़कर 16 हो जाती है। शास्त्रों में कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने का बहुत महत्व बताया गया है। इस दिन स्नान के समय यह श्लोक बोलना चाहिए- ''गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति। नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेस्मिन्संनिधिं कुरु।।'
- सृष्टि के आरंभ से ही यह तिथि बड़ी ही खास रही है। पुराणों में इस दिन स्नान, व्रत व तप की दृष्टि से मोक्ष प्रदान करने वाला बताया गया है। इसका महत्व सिर्फ वैष्णव भक्तों के लिए ही नहीं शैव भक्तों और सिख धर्म के लिए भी बहुत ज्यादा है।
- विष्णु के भक्तों के लिए यह दिन इसीलिए खास है क्योंकि भगवान विष्णु का पहला अवतार इसी दिन हुआ था। प्रथम अवतार में भगवान विष्णु मत्स्य यानी मछली के रूप में थे। भगवान को यह अवतार वेदों की रक्षा, प्रलय के अंत तक सप्तऋषियों, अनाजों एवं राजा सत्यव्रत की रक्षा के लिए लेना पड़ा था। इससे सृष्टि का निर्माण

कार्य फिर से आसान हुआ।

- शिव भक्तों के अनुसार इसी दिन भगवान भोलेनाथ ने त्रिपुरासुर नामक महाभयानक असुर का संहार कर दिया जिससे वह त्रिपुरारी के रूप में पूजित हुए। इससे देवगण बहुत प्रसन्न हुए और भगवान विष्णु ने शिव जी को त्रिपुरारी नाम दिया जो शिव के अनेक नामों में से एक है। इसलिए इसे 'त्रिपुरी पूर्णिमा' भी कहते हैं।
- सिख धर्म में कार्तिक पूर्णिमा के दिन को प्रकाशोत्सव के रूप में मनाया जाता है। क्योंकि इसी दिन सिख सम्प्रदाय के संस्थापक गुरु नानक देव का जन्म हुआ था। इस दिन सिख सम्प्रदाय के अनुयायी सुबह स्नान कर गुरुद्वारों में जाकर गुरुवाणी सुनते हैं और नानक जी के बताए रास्ते पर चलने की सौगंध लेते हैं। इसे गुरु पर्व भी कहा जाता है।
- कार्तिक पूर्णिमा उत्सव दीपावली की भांति दीप जलाकर सायंकाल में मनाया जाता है।
- यह दिन एक नहीं बल्कि कई वजहों से खास है। इस दिन गंगा-स्नान, दीप दान, अन्य दानों आदि का विशेष महत्व है। इस दिन क्षीरसागर दान का अनंत महत्व है, क्षीरसागर का दान 24 अंगुल के बर्तन में दूध भरकर उसमें स्वर्ण या रजत की मछली छोड़कर किया जाता है।
- इस दिन चंद्र जब आकाश में उदित हो रहा हो उस समय शिवा, संभूति, संतति, प्रीति, अनुसूया और क्षमा इन छह कृतिकाओं का पूजन करने से शिव जी की प्रसन्नता प्राप्त होती है। ऐसा भी माना जाता है कि इस दिन कृतिका में शिवशंकर के दर्शन करने से सात जन्म तक व्यक्ति ज्ञानी और धनवान होता है।
- ऐसा माना जाता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन श्रद्धापूर्वक गंगा स्नान करने से पूरे वर्षभर गंगा मइया अपने भक्तों पर प्रसन्न रहती है। इस दिन तीर्थ स्नान की प्रथा है गंडक, कुरुक्षेत्र, अयोध्या, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, काशी में भी स्नान करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। अतः कार्तिक पूर्णिमा का दिन कई मायनों में बहुत खास हैं।
- कार्तिक मास की अमावस्या यानी दीपावली के 15 दिन बाद कार्तिक मास की पूर्णिमा पड़ती है जो अंधेरे का सर्वनाश करती है। अतः इस दिन ईश्वर आराधना से तामसिक प्रवृतियों का नाश होता है और धार्मिक ग्रंथों में इसे मोक्ष प्राप्ति का मार्ग भी बताया गया है।



24 नवंबर को मनेगी देवताओं की दिवाली, कैसे करें दीपदान

हिंदू धर्म में कार्तिक पूर्णिमा का विशेष धार्मिक महत्व है। इस दिन मनाया जाने वाला देव दीपावली का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा की शाम देवी-देवता स्वर्ग से धरती पर उतरकर भगवान शिव की नगरी काशी में दीपोत्सव मनाते हैं। इसी वजह से वाराणसी के गंगा घाटों पर देव दीपावली का नजारा बेहद भव्य होता है।

लाखों दीपों की रोशनी से घाट जगमगा उठते हैं और गंगा तट का दृश्य मनमोहक हो जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध किया था। इस विजय की खुशी में देवताओं ने दीप जलाकर उत्सव मनाया था। इसलिए देव दीपावली को त्रिपुरोत्सव और त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है।

देव दीपावली पर दीपदान का धार्मिक महत्व

कार्तिक पूर्णिमा पर दीपदान करने की परंपरा सदियों पुरानी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पवित्र नदी में स्नान, भगवान शिव-विष्णु की पूजा और दीपदान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि दीप जलाने से जीवन में सकारात्मकता आती है और घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

देव दीपावली पर कैसे करें दीपदान

देव दीपावली के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद सूर्यदेव को जल अर्पित करें और तुलसी माता की पूजा करें। भगवान शिव, भगवान विष्णु और अपने इष्ट देव का स्मरण करते हुए पूजा-अर्चना करें। शाम को प्रदोषकाल में दीपदान की तैयारी करें। इसके लिए मिट्टी के दीपक में शुद्ध घी या तिल का तेल डालकर दीपक जलाएं। अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार 11, 21, 51, 108 या 365 दीपक जलाए जा सकते हैं। दीपक जलाते समय भगवान शिव, श्रीहरि विष्णु, माता लक्ष्मी और मां गंगा का ध्यान करें।

दीपदान करते समय रखें ध्यान

- दीपदान के लिए मिट्टी के दीपक का इस्तेमाल करना शुभ माना जाता है।
- दीपक जलाने के लिए शुद्ध घी या तिल के तेल का उपयोग करें।
- दीपदान से पहले पूजा स्थल और दीपकों को साफ कर लें।
- दीपक जलाते समय मन में श्रद्धा और सकारात्मक भाव रखें।
- इस दिन जरूरतमंद लोगों को भोजन या वस्त्र का दान करना शुभ माना जाता है।
- नदी या जलाशय में दीपदान करते समय पर्यावरण और सुरक्षा का ध्यान रखें।

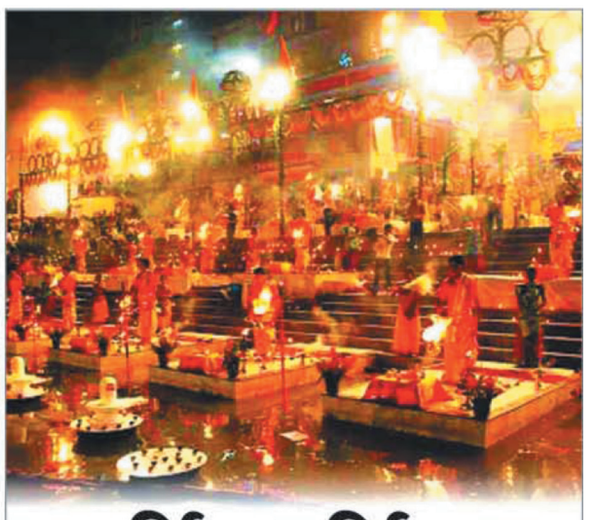

कार्तिक पूर्णिमा पर बन रहा है कृत्तिका नक्षत्र का संयोग

हिंदू धर्म में कार्तिक पूर्णिमा का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। कार्तिक महीने की पूर्णिमा को देव दीपावली के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गंगा स्नान, दीपदान, भगवान विष्णु की पूजा और दान-पुण्य करने की परंपरा है। कार्तिक पूर्णिमा का पर्व 24 नवंबर, मंगलवार को मनाया जाएगा। इस दिन कृत्तिका नक्षत्र का संयोग भी रहेगा, जिसे धार्मिक दृष्टि से विशेष माना जाता है।

पंचांग के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा तिथि 23 नवंबर की रात 11 बजकर 42 मिनट से शुरू होगी और 24 नवंबर की रात 8 बजकर 23 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर कार्तिक पूर्णिमा 24 नवंबर को मनाई जाएगी। इस दिन कृतिका नक्षत्र भी रहेगा, जो रात करीब 11 बजकर 25 मिनट तक है। इसके बाद रोहिणी नक्षत्र शुरू होगा। अलग-अलग स्थानों के अनुसार पंचांग के समय में थोड़ा अंतर हो सकता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान का महत्व

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा और अन्य पवित्र नदियों में स्नान करने की विशेष परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। जो लोग किसी कारणवश नदी तक नहीं पहुंच सकते, वे घर पर ही स्नान करके भगवान का स्मरण कर सकते हैं। स्नान के बाद सूर्य देव को जल अर्पित करना और अपनी श्रद्धा के अनुसार पूजा करना भी शुभ माना जाता है।

क्यों किया जाता है दीपदान

इस दिन शाम के समय दीपदान करने की परंपरा है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर देवता भी दीपोत्सव मनाते हैं, इसलिए इसे देव दीपावली कहा जाता है। श्रद्धालु गंगा घाटों, मंदिरों और घरों में दीपक जलाकर भगवान के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। दीपदान को जीवन में प्रकाश, सकारात्मकता और शुभता का प्रतीक माना जाता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर किन चीजों का करें दान

कार्तिक पूर्णिमा पर अन्न, वस्त्र, फल और जरूरत की दूसरी वस्तुओं का दान करना अच्छा माना जाता है। इस दिन जरूरतमंद लोगों को भोजन कराना और उनकी सहायता करना भी पुण्य कार्य माना जाता है। दान हमेशा अपनी सामर्थ्य और इच्छा के अनुसार करना चाहिए।

भगवान विष्णु की पूजा और दीपदान करें

कार्तिक पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने की परंपरा है। श्रद्धालु घर के मंदिर में दीपक जलाकर फल, फूल और नैवेद्य अर्पित कर सकते हैं। इसके साथ ही विष्णु मंत्रों का जाप और सत्यनारायण भगवान की कथा का पाठ भी किया जाता है। इस पर्व को श्रद्धा, सेवा और दूसरों के साथ खुशियां बांटने के अवसर के रूप में मनाया जा सकता है।

इन 5 जगहों पर जरूर करें दीपदान

कार्तिक पूर्णिमा पर दीपदान का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन अलग-अलग पवित्र स्थानों पर दीपक जलाने से पुण्य की प्राप्ति होती है।

- **तुलसी के पौधे के पास:** कार्तिक पूर्णिमा पर तुलसी के पौधे के पास घी का दीपक जलाना शुभ माना जाता है।
- **घर के मुख्य द्वार पर:** घर के मुख्य दरवाजे के दोनों ओर दीपक जलाने की परंपरा है। मान्यता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि आती है।
- **मंदिर में:** इस दिन किसी नजदीकी मंदिर में जाकर भगवान के समक्ष दीपदान जरूर करना चाहिए।
- **पीपल और आंवले के पेड़ के नीचे:** धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन पेड़ों के नीचे दीपक जलाना पुण्यदायी माना जाता है।
- **नदी और सरोवर के किनारे:** कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र नदियों, तालाबों और सरोवरों के तट पर दीपदान करने का विशेष महत्व है। वाराणसी के गंगा घाटों पर इस दिन लाखों दीपक जलाए जाते हैं।

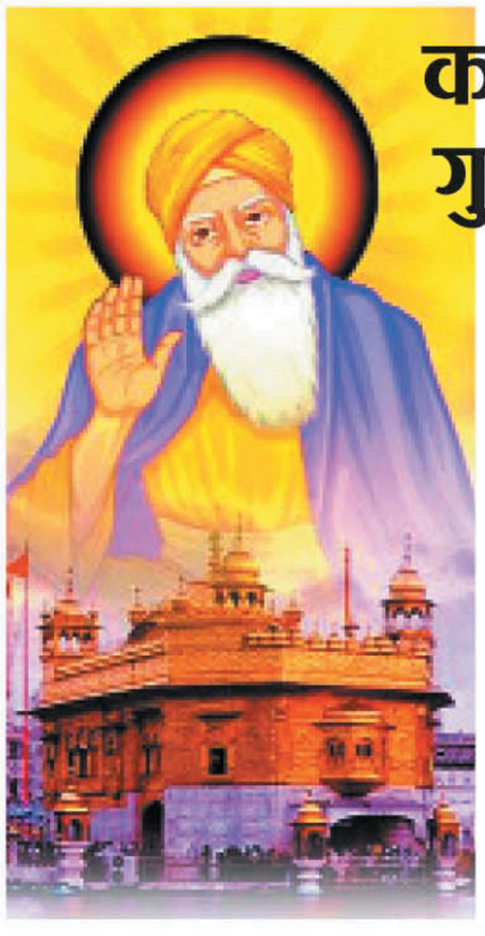

कब मनाई जाएगी गुरु नानक जयंती

गुरु नानक जयंती हर साल कार्तिक माह की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। इस दिन को गुरु नानक प्रकाश पर्व के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व सिख समुदाय के लोगों के लिए सबसे बड़ा उत्सव है। गुरु नानक जयंती हर साल कार्तिक माह की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। इस दिन को गुरु नानक प्रकाश पर्व के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व सिख समुदाय के लोगों के लिए सबसे बड़ा उत्सव है। इस दिन को सिख समुदाय के लोग बहुत धूमधाम से मनाते हैं। गुरु नानक जी को सिख समुदाय का पहला गुरु माना जाता है। गुरु नानक जयंती के दिन गुरुद्वारों में बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने समाज में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का काम किया। गुरु नानक जयंती के दिन पूरे दिन भजन कीर्तन किए जाते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं गुरु नानक जयंती किस दिन मनाई जाएगी और इसका क्या महत्व है।

गुरु नानक जयंती तिथि

गुरु नानक जयंती का त्योहार हर साल कार्तिक माह की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस वर्ष गुरु नानक जयंती 24 नवंबर को मनाई जाएगी। इस त्योहार के दिन गुरु नानक जी को याद किया जाता है।

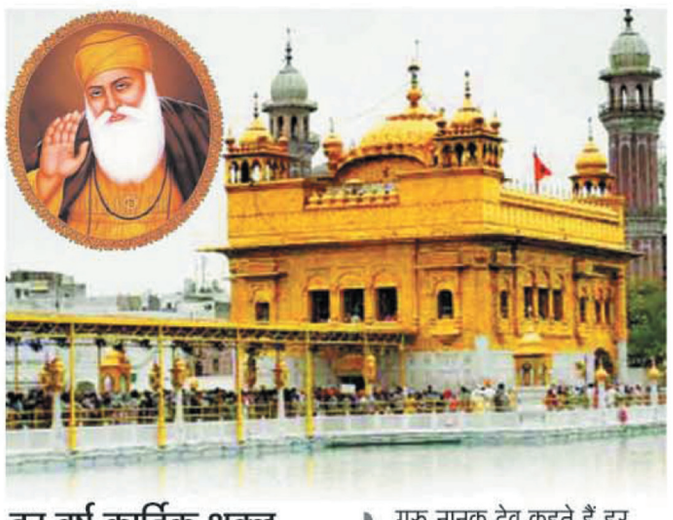

हर वर्ष कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा को सिख धर्म के पहले गुरु, गुरु नानक देव की जयंती मनाई जाती है। जिसे गुरु पर्व या प्रकाश पर्व भी कहा जाता है। यहां जानिए गुरु नानक देव जी के अनमोल विचार -

गुरु नानक की सीख सोच की दिशा बदल देगी

- गुरु नानक देव कहते हैं हर मनुष्य को सबसे पहले खुद की बुराइयों और गलत आदतों पर विजय पाने की कोशिश करनी चाहिए।
- हर इंसान को हमेशा अच्छे और विनम्र सेवाभाव से अपना जीवन गुजारना चाहिए, क्योंकि अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन होता है, अतः मनुष्य को अहंकार नहीं करना चाहिए।
- गुरु नानक देव स्त्री और पुरुष में कोई फर्क नहीं समझते थे, वे कहते थे कभी भी महिलाओं का अनादर नहीं करना चाहिए।
- हमेशा तनाव मुक्त रहकर हमें अपने कर्म को निरंतर करते रहना चाहिए और हमेशा खुश रहना चाहिए।
- गुरु नानक देव जी कहते थे कि हमें हमेशा लोभ का त्याग करना चाहिए और मेहनत से अपना धन कमाकर जीवन जीना चाहिए।
- हमें जरूरतमंदों की सहायता के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।
- सभी मनुष्यों को एक-दूसरे को प्रेम, एकता, समानता और भाईचारे का संदेश देना चाहिए। जब मन में पाप से अपवित्र हो जाए तब ईश्वर का नाम लेने रहने से वह निर्मल हो जाता है।
- गुरु नानक देव जी ने 'इक ओंकार का नारा' दिया था। वे कहते थे कि सबका पिता एक है इसलिए सभी लोगों को एक-दूसरे से प्रेम करना चाहिए।
- गुरु नानक देव जी के अनुसार भगवान एक है और वह हर जगह पर मौजूद है।
- धन को कभी भी अपने हृदय से लगाकर नहीं रखना चाहिए, उसका स्थान हमेशा जेब में ही होना चाहिए। तभी आप लालच और अहंकार से दूर रह पाएंगे।

मानव तस्करी और घरेलू हिंसा के खिलाफ 'जन आंदोलन' की जरूरतः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के तत्वावधान में सोमवार को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभागार में 'मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा की रोकथाम' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ राज्यपाल ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया, जबकि समापन सत्र में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय शामिल हुए। दिनभर चले मंथन में महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, डिजिटल होती मानव तस्करी पर लगाम, पीड़ितों के पुनर्वास और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय मजबूत करने पर जोर दिया गया।

महिला सशक्तिकरण से रुकेगी हिंसा, टीम भावना से करें कामः मुख्यमंत्री

समापन उद्बोधन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि न्यायपालिका, पुलिस प्रशासन और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर बेहतर कार्य कर रही हैं, लेकिन इन बुराइयों को जड़ से मिटाने के लिए इसे जन आंदोलन बनाना होगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के साथ 42 वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181 और महिला थानों का विस्तार किया जा रहा है। आर्थिक सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की 68 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये के मान से अब तक 33 किश्तों में 21,350 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है, वहीं 14 लाख महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं।

घरेलू हिंसा को सामान्य मानकर नजरअंदाज न करें: राज्यपाल

शुभारंभ अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा गंभीर सामाजिक चुनौतियां हैं, जिन्हें केवल चर्चा तक सीमित न रखकर सुझावों को धरातल पर लागू करना होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि घरेलू हिंसा को किसी भी स्थिति में सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने महिलाओं की सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए संवेदनशील संस्थागत व्यवस्था पर बल दिया। वहीं, आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने स्वागत उद्बोधन और समापन सार प्रस्तुत करते हुए कहा कि गंभीर प्रकरणों में आयोग स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) ले और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ परामर्श व न्याय सुनिश्चित करे।

कार्यशाला के प्रमुख निष्कर्षः डिजिटल तस्करी और कानूनी संरक्षण पर फोकस - बदलता स्वरूप और संवेदनशील वर्गः विशेषज्ञों ने चिंता जताई कि तस्करी अब डिजिटल माध्यमों (मोबाइल-इनेबल्ड) से जुड़कर बड़ा



व्यापार बन चुकी है, जिसमें श्रम के साथ-साथ मानव अंग प्रत्यारोपण भी एक बड़ा कारण है। शाला छोड़ चुके (ड्रॉपआउट) बच्चे इसके प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं। छत्तीसगढ़ में श्रम के नाम पर होने वाली तस्करी रोकने के लिए 'छत्तीसगढ़ प्लेसमेंट एक्ट' के तहत प्रवासी श्रमिकों का पंजीकरण कारगर साबित हो रहा है।

- समझौते तक सीमित न रहें मामलेः कार्यशाला में इस बात पर सहमति बनी कि घरेलू हिंसा ही आगे चलकर मानव तस्करी का बड़ा कारण बनती है। पीड़ित महिलाओं को केवल पारिवारिक समझौते तक सीमित न रखकर आवश्यकतानुसार सिविल या क्रिमिनल केस दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही, न्यायपालिका से संरक्षण आदेश (प्रोटेक्शन ऑर्डर) और भरण-पोषण आदेश तत्काल पारित करने की अपेक्षा की गई।

तीन तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

- प्रथम सत्र (मानव तस्करी ङ्क रोकथाम, बचाव एवं पुनर्वास): पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम (आईपीएस) की अध्यक्षता एवं सुश्री ऑड्रे डी'मेलो के संचालन में हुए इस सत्र में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता श्री रविकांत, श्रीमती प्रतिमा शर्मा, वरिष्ठ सिविल जज श्री आलोक पांडेय और आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका शोरी ने विचार रखे। वक्ताओं ने बचाव के साथ-साथ सख्त अभियोजन, मुआवजे और सामाजिक पुनर्स्थापन पर जोर दिया। - द्वितीय सत्र (घरेलू हिंसा ङ्क मौन से न्याय तक): महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव (आईएएस) की अध्यक्षता एवं संयुक्त संचालक श्रीमती क्रिस्टीना लाल के संचालन में सुश्री ऑड्रे डी'मेलो, श्रीमती केकती साहू, संरक्षण अधिकारी श्रीमती विटबला श्रीवास्तव, सखी वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती श्रद्धा श्रीवास्तव मल्ल, वरिष्ठ सिविल जज श्री उमेश कुमार भगवतकर और आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी ने घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 और विधिक सहायता के व्यावहारिक पहलुओं को समझाया। - तृतीय सत्र (अकादमिक परिप्रेक्ष्य ङ्क शोध एवं संस्थागत कार्रवाई): कुलपति प्रो. (डॉ.) सच्चिदानंद शुक्ला की अध्यक्षता एवं प्रो. प्रियंवदा श्रीवास्तव के संचालन में मनोचिकित्सक डॉ. सोनिया पारियाल, वरिष्ठ सिविल जज श्री अविनाश कुमार दुबे, विशेषज्ञ सुश्री प्रोतिति साहा और संरक्षण अधिकारी श्रीमती अनामिका शर्मा ने जमीनी अनुभवों के दस्तावेजीकरण तथा विधि पाठ्यक्रम व शोध के जरिए नीति निर्माण को मजबूत करने का सुझाव दिया।

पंकज नायक प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोनीत, विश्वनाथ ध्रुव बने रायपुर जिला अध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रांतीय संगठन में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बदलाव करते हुए प्रांताध्यक्ष श्री पी.आर. यादव ने श्री पंकज नायक को प्रांतीय कार्यकारिणी में शामिल कर प्रांतीय उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। वहीं, एसोसिएशन की जिला शाखा रायपुर के अध्यक्ष पद पर श्री विश्वनाथ ध्रुव को मनोनीत किया गया है।

एसोसिएशन द्वारा आज जारी मनोनयन आदेश के अनुसार संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उल्लेखनीय है कि जिला शाखा रायपुर द्वारा आयोजित मासिक बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रांतीय महामंत्री श्री उमेश मुदलियार विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में श्री पंकज नायक को प्रांतीय कार्यकारिणी में दायित्व दिए जाने



तथा जिला शाखा रायपुर के नए अध्यक्ष के चयन के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सर्वसम्मति से इन निर्णयों पर अपनी सहमति व्यक्त की।

इसके पश्चात प्रांतीय महामंत्री श्री उमेश मुदलियार ने बैठक में नए पदाधिकारियों के मनोनयन की घोषणा की तथा प्रांतीय इकाई द्वारा विधिवत मनोनयन पत्र जारी किए गए।

श्री पंकज नायक पूर्व में जिला शाखा रायपुर के अध्यक्ष के रूप में संगठनात्मक गतिविधियों का संचालन कर रहे थे। उनके प्रांतीय उपाध्यक्ष बनाए जाने से अब उन्हें प्रदेश स्तर पर संगठन के विस्तार, पेंशनरों की समस्याओं के निराकरण तथा विभिन्न जिलों के बीच समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी मिलेगी।

वहीं, श्री विश्वनाथ ध्रुव रायपुर जिला शाखा के अध्यक्ष के रूप में संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाएंगे तथा जिले के पेंशनरों को संगठित कर उनकी समस्याओं एवं मांगों को शासन-प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नवनियुक्त प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री पंकज नायक एवं जिला अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ध्रुव को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि दोनों पदाधिकारी संगठन की मजबूती, एकजुटता एवं पेंशनरों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उपरोक्त जानकारी जिला शाखा रायपुर के सचिव श्री बेनी राम गायकवाड़ ने दी।

महात्मा गांधी के 'राष्ट्रीय विद्यालय एवं बाल आश्रम' आगमन का शताब्दी महोत्सवः बापू को किया गया नमन





सोशल मीडिया के दौर में छोटे व प्रभावशाली संदेशों के जरिए युवाओं तक महापुरुषों के आदर्श पहुंचाने का आह्वान; बाल आश्रम को शिक्षा का सर्वश्रेष्ठ केंद्र बनाने पर जोर

रायपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 'राष्ट्रीय विद्यालय एवं बाल आश्रम' आगमन की स्मृति में भव्य शताब्दी महोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए [मुख्य अतिथि का नाम लिखें] ने बापू को सादर नमन करते हुए उनके बताए मार्ग और आदर्शों को जीवन में उतारने का संदेश दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की यह पावन धरती धन्य है, जहां से पंडित सुंदरलाल शर्मा जी के माध्यम से महात्मा गांधी को अस्पृश्यता निवारण की प्रेरणा मिली। वर्तमान समय की चुनौतियों पर विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब हमारे युवा सोशल मीडिया और 10 सेकंड के वीडियो में व्यस्त हैं, तब हमें महापुरुषों के आदर्शों को मोटी किताबों से निकालकर छोटे और प्रभावशाली संदेशों के जरिए उन तक पहुंचाना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में मिसाल बने राष्ट्रीय विद्यालय और बाल आश्रम संस्थान के भावी स्वरूप पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि बाल आश्रम और राष्ट्रीय विद्यालय को शिक्षा का इतना बेहतरीन केंद्र बनाया जाए कि लोग यहां अपने बच्चों के दाखिले के लिए सिफारिश लगाएं। समाज के जरूरतमंद बच्चों का भविष्य संवारना ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर उन्होंने राधा जी को उनकी नई पुस्तक के लिए हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

समारोह में इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति- इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, आयोजक श्री अजय तिवारी, श्री देवीचंद श्रीश्रीमाल, श्री गोकुल दास, श्री मदनलाल, श्री राजकिशोर नथानी, श्री रामोतार, श्री सुरेश बजाज, श्री हरि वल्लभ एवं श्री गोवर्धन दास सहित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजन, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में साकार हो रहा श्रद्धालुओं का अयोध्या दर्शन का सपना



रायपुर, 23 नवंबर 2026। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक आनंद का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। इसी कड़ी में आज रायपुर रेलवे स्टेशन से रायपुर संभाग के विभिन्न जिलों के 850 श्रद्धालुओं को लेकर विशेष ट्रेन अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल की उपस्थिति में विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर रेलवे स्टेशन का वातावरण श्रद्धा और उत्साह से परिपूर्ण रहा। भगवान श्रीराम के दर्शन की अभिलाषा लेकर तीर्थयात्रा पर निकले श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने इस महत्वपूर्ण तीर्थयात्रा का अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेशवासियों की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। श्री रामलला दर्शन योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या धाम के दर्शन का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम छत्तीसगढ़ की संस्कृति, लोकजीवन और जनमानस की आस्था के केंद्र हैं। छत्तीसगढ़ का भगवान श्रीराम से अत्यंत गहरा और आत्मीय संबंध रहा है। वनवास काल में प्रभु श्रीराम ने छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर लंबा समय व्यतीत किया था। ऐसे में प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या धाम की यात्रा विशेष धार्मिक और भावनात्मक महत्व रखती है।

श्री वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि आर्थिक एवं अन्य परिस्थितियों के कारण तीर्थयात्रा से वंचित रहने वाले श्रद्धालुओं को भी धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर प्राप्त हो। उन्होंने सभी तीर्थयात्रियों को सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

इस विशेष तीर्थयात्रा के अंतर्गत श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में भगवान श्रीरामलला के दर्शन के साथ ही वाराणसी स्थित विश्वप्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन का भी सौभाग्य प्राप्त होगा। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि और भगवान शिव की पावन नगरी काशी के दर्शन का अवसर मिलने से यह यात्रा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक महत्व रखती है।

25 साल की सेवा को सलाम — नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने वार्ड 34 की मितानिन दीदियों का किया सम्मान

रायपुर। मितानिन सम्मान दिवस के अवसर पर रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी के द्वारा आज पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड 34 की मितानिन दीदियों का भव्य सम्मान किया गया।

वार्ड में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में आकाश तिवारी ने सभी मितानिन दीदियों का मुंह मीठा खिलाकर श्री फल मिठाई भेंट कर , वस्त्र भेंट कर सम्मान किया।

मितानिन दीदियों के चेहरे पर अपने सम्मान को लेकर खुशी और गर्व साफ दिख रहा था।

विगत 25 वर्षों से ज्यादा समय से सेवा दे रहीं दीदियां

आकाश तिवारी ने कहा –

हमारी मितानिन दीदियां विगत 25 वर्षों से भी ज्यादा समय से बिना रुके, बिना थके गांव-गांव, घर-घर सेवा दे रही हैं।÷

गर्भवती माताओं की देखभाल हो, बच्चों का टीकाकरण हो, मलेरिया-डेंगू की रोकथाम हो, बीपी-शुगर की जांच हो – हर काम में सबसे पहले मितानिन दीदी ही आगे खड़ी मिलती हैं।÷

कोरोना जैसे कठिन काल में जब लोग घरों से निकलने से डर रहे थे, तब यही मितानिन दीदियां घर-घर जाकर दवा, जांच और हिम्मत बांट रही थीं। ये सिर्फ स्वास्थ्य कार्यकर्ता नहीं, ये हमारे वार्ड की असली सेविका हैं।÷

भूपेश बघेल सरकार ने बढ़ाया था मानदेय, दिया था सम्मान

आकाश तिवारी ने इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल का भी उल्लेख करते हुए कहा – > ÷भूपेश बघेल जी की सरकार ने मितानिन दीदियों के दर्द को समझा था। उनकी सरकार ने मितानिनों का मानदेय बढ़ाकर उनका सम्मान किया था।÷

> ÷पहले मितानिन दीदियों को बहुत कम मानदेय मिलता था। भूपेश बघेल सरकार ने मानदेय बढ़ाया, प्रोत्साहन राशि दी, और मितानिन सम्मान दिवस को पूरे प्रदेश में बड़े



स्तर पर मनाकर उन्हें वो सम्मान दिलाया, जिसकी वो हकदार थीं।÷

÷आज 25 साल पूरे होने पर हम उसी सम्मान की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।÷

मितानिन दीदियों ने रखी अपनी बात

सम्मान कार्यक्रम में मितानिन दीदियों ने कहा कि जब जनप्रतिनिधि इस तरह सम्मान करते हैं, तो उन्हें और अधिक सेवा करने की ताकत मिलती है। उन्होंने आकाश तिवारी का आभार व्यक्त किया।

आकाश तिवारी ने 3 बातें कहीं —

1. मितानिन दीदियों का मानदेय समय पर मिले, इसमें कोई कटौती न हो। 2. मितानिन दीदियों को स्वास्थ्य केंद्रों में पूरा सम्मान मिले, उन्हें सिर्फ काम के लिए नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य की तरह माना जाए। 3. वार्ड 34 में मितानिन दीदियों की हर समस्या के लिए वे हमेशा खड़े रहेंगे।

कार्यक्रम के अंत में आकाश तिवारी ने कहा —

मैं रायपुर क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थाओं से निवेदन करना चाहता हूं की हमसें जुड़ी हुई मितानिन दीदियों का सम्मान करें जिससे उनके कार्य करने की ऊर्जा और बढ़ती है जब किसी को सम्मान मिलता है तो उसके कार्य करने की ऊर्जा शक्ति बढ़ जाती है

पुन्नी मेला की तैयारियों में लापरवाही पर महापौर सख्त, महादेवघाट पहुंचकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वच्छता में कोई समझौता नहीं, कमियां मिलने पर अधिकारियों को लगाई फटकार, तत्काल सुधार के दिए निर्देश

रायपुर। कल महादेवघाट में आयोजित होने वाले पुन्नी मेला की तैयारियों को लेकर आज महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने मेला स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता, आवागमन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान व्यवस्थाओं में कमियां पाए जाने पर महापौर ने नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और सभी कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुन्नी मेला में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, ऐसे में व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महापौर ने महादेवघाट परिसर, तालाबों एवं नदी के आसपास की साफ-सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों और श्रद्धालुओं के आवागमन वाले स्थानों पर विशेष सफाई कराने के साथ ही पूरे परिसर



में चूना डालने एवं आवश्यक स्थानों पर मार्किंग कराने के निर्देश दिए। कचरा संग्रहण की व्यवस्था को लेकर महापौर ने रामकी प्रबंधन को निर्देशित किया कि आज रात से ही उनकी गाड़ियां मेला समाप्त होने तक महादेवघाट में स्थायी रूप से तैनात रहें, ताकि कचरे का तत्काल संग्रहण हो और मेला परिसर में कहीं भी गंदगी न फैले।

सफाई व्यवस्था में कमी पाए जाने पर महापौर ने जोन क्रमांक 8 की टीम को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि आज से लेकर मेला समाप्त होने तक सफाई कर्मियों की लगातार तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा पूरे मेला परिसर में नियमित रूप से सफाई होती रहे। अधिकारी भी स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर सफाई व्यवस्था की निगरानी करें। महापौर ने श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए रास्तों को व्यवस्थित करने, मार्ग में बाधा बनने वाली चीजों को हटाने और आवश्यकतानुसार रास्तों को सुगम बनाने के निर्देश भी दिए।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और निरीक्षण के दौरान सामने आई प्रत्येक कमी को तत्काल दूर करें। मेला के दौरान भी सफाई व्यवस्था एवं अन्य नागरिक सुविधाओं की लगातार निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु पूरी आस्था और विश्वास के साथ महादेवघाट पहुंचते हैं, इसलिए उन्हें स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की जिम्मेदारी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक–शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग –मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:–9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com